हरियाणा में विधानसभा चुनाव आने से पहले भारतीय पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हो गए

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 124 दिनांक:07-09-2024 शनिवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण की महत्ता पर जोर देते हुए कहा है कि यह एक नीति भर नहीं है, बल्कि एक प्रयास और पुण्य का काम भी है। पीएम ने इस अवसर पर जल संरक्षण के लिए रिडयूस, रियूज, रिचार्ज और रिसाइकिल का मंत्र दिया।

शांति बनाए रखने के वास्ते...सेना को जंग के लिए तैयार रहना होगा : राजनाथ

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शीर्ष सैन्य अधिकारियों से यूक्रेन और गाजा में संघर्षों के साथ बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति का विश्लेषण करने का आह्वान किया। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने लखनऊ में संयुक्त कमांडरों के पहले सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शांति बनाए रखने के वास्ते सशस्त्र बलों को जंग के लिए तैयार रहना होगा है। उकसावे की घटनाओं पर समन्वित, त्वरित और उचित कार्रवाई करने पर जोर दिया।

रक्षा मंत्री ने चीन के साथ लगती भारतीय सीमा पर स्थिति और पड़ोसी देशों के घटनाक्रम का गहन विश्लेषण करने पर जोर दिया, जो क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए चुनौती बन रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि इसके लिए हमारे पास एक मजबूत और सुदृढ़ राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचा होना चाहिए। उन्होंने कमांडरों से सशस्त्र बलों के शस्त्रागार में पारंपरिक और आधुनिक युद्ध उपकरणों के सही मिश्रण की पहचान करने और उसमें शामिल करने का भी आह्वान किया। उन्होंने अंतरिक्ष और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में क्षमता विकास पर जोर दिया और इन्हें आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए अभिन्न अंग बताया।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक क्षेत्र में उभरते सुरक्षा हालात पर सिंह ने कहा कि भारत एक शांतिप्रिय राष्ट्र है। शांति बनी रहे इसके लिए सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए तैयार रहने की जरूरत है। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद, भारत अपेक्षाकृत शांत माहौल में शांतिपूर्ण तरीके से विकास कर रहा है। हालांकि, चुनौतियों की बढ़ती संख्या के कारण हमें सतर्क रहने की जरूरत है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि हमें भविष्य पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके लिए हमारे पास एक मजबूत और सुदृढ़ राष्ट्रीय सुरक्षा का घटक होना चाहिए। हमारे पास अचूक प्रतिरोधक क्षमता होनी चाहिए। दो दिवसीय सम्मेलन में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, नौसेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायुसेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी और रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने भी शामिल हुए। इस मौके पर रक्षा मंत्री ने तीनों सेनाओं के बीच समन्वय को बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने सैन्य नेतृत्व से डाटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी प्रगति के उपयोग को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया। इस सम्मेलन में देश के शीर्ष-स्तरीय सैन्य नेतृत्व ने हिस्सा लिया, जिन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में राष्ट्र के समक्ष वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया।

जम्मू-कश्मीर चुनाव, बीजेपी का घोषणा पत्र जारी

5 लाख रोजगार, हर साल 2 फ्री सिलेंडर देने का वादा

श्रीनगर(ईएमएस)। भाजपा ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कॉलेज छात्रों को हर साल 3 हजार रुपए यातायात भत्ता दिया जाएगा। 10वीं क्लास में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को टेबलेट और लैपटॉप मिलेगा। उन्होंने कहा कि 5 लाख रोजगार दिए जाएंगे। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल 2 फ्री एलपीजी सिलेंडर दिया जाएगा। अटल आवास योजना के लाभार्थियों को हर साल 2 फ्री एलपीजी सिलेंडर दिया जाएगा। अटल आवास योजना के जरिए भूमिहीन लोगों को 5 मरला (एक बीघा) जमीन मुफ्त दी जाएगी।

शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का है, था और रहेगा। 10 साल में राज्य का विकास हुआ है और रहा है। आज धारा 370 और 35 (ए) बीते दौर की बात बन गई है। अब ये हमारे संविधान का हिस्सा नहीं है। ये सब पीएम नरेंद्र मोदी के ताकतवर फैसले से हुआ। धारा 370 इतिहास बन गई है। हम इसे कभी आने नहीं देंगे।

महिलाओं के लिए

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल 2 फ्री एलपीजी सिलेंडर। मां सम्मान योजना के जरिए हर एक परिवार की सबसे सीनियर महिला को 18 हजार रुपए महीने की आर्थिक सहायता। महिला सेल्फ-हेल्प ग्रुप का लोन माफ की घोषणा।

स्टूडेंट्स के लिए, युवाओं के लिए

पंडित प्रेम नाथ डोगरा रोजगार योजना के जरिए 5 लाख रोजगार के अवसर पैदा करना। प्रगति शिक्षा योजना के तहत कॉलेज स्टूडेंट्स को हर साल 3 हजार रुपए यातायात भत्ता। जेकेपीएसएसी और यूपीएससी की तैयारी के लिए 2 साल तक 10 हजार रुपए कोचिंग फीस की आर्थिक सहायता। 10वीं क्लास में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को टेबलेट और लैपटॉप मिलेगा।

किसानों के लिए

पीएम किसान सम्मान निधि में 10 हजार दिए जाएंगे, 6 हजार रुपए में अतिरिक्त 4 हजार शामिल होंगे। खेती के कामों के लिए बिजली दरों को 50 फीसदी कम किया जाएगा। अटल आवास योजना के जरिए भूमिहीन लोगों को 5 मरला (करीब एक बीघा) जमीन मुफ्त दी जाएगी।

प्रधानमंत्री ने जल संचय जन भागीदारी पहल की शुरुआत की, बोले-

जल संरक्षण मानवता के भविष्य का सवाल

अहमदाबाद(ईएमएस)। प्रधानमंत्री ने गुजरात में जल संचय, जन भागीदारी पहल की शुरुआत की। प्रधानमंत्री वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि यह बेहद अहम पहल है, जिसकी गुजरात की धरती से शुरुआत हो रही है। जल शक्ति मंत्रालय ने इस पहल की शुरुआत की है। हाल के दिनों में देश के हर कोने में भारी बारिश से तबाही जारी है। देश को कोई हिस्सा ही शायद होगा, जिसने इस प्राकृतिक आपदा की वजह से संकट न झेला हो। इस बार गुजरात को भी भारी संकट का सामना करना पड़ा। हमारी सारी व्यवस्थाओं में भी इतनी क्षमता नहीं है कि इस प्राकृतिक आपदा की घड़ी में हमारी मदद कर सकें, लेकिन गुजरात के लोगों और अन्य देशवासियों में ये आदत है कि संकट की घड़ी में सभी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण सिर्फ एक नीति नहीं है बल्कि यह एक प्रथा है। यह हमारी जिम्मेदारी भी है। जब भावी पीढियां हमारा आकलन करेंगी तो हमारा जल के प्रति जो रवैया है, उसका भावी पीढ़ी सबसे पहले आकलन करेंगी। यह जीवन-मरण का सवाल है और यह मानवता के भविष्य का सवाल है। इसलिए हमने सतत विकास के लिए जिन नौ संकल्पों को सामने रखा है, उनमें जल संरक्षण पहला संकल्प है।

जल संरक्षण भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा

प्रधानमंत्री ने कहा जल संरक्षण, प्रकृति संरक्षण...हमारे लिए नए शब्द नहीं हैं। ये भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है। हम उस संस्कृति के लोग हैं, जहां जल को ईश्वर का रूप कहा गया है। नदियों को देवी माना गया और सरोवरों, कुंडों को देवालय का दर्जा मिला है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैंने सरदार सरोवर बांध को पूरा करने की चुनौती ली थी और कई चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद गुजरात में जल संरक्षण पहल की शुरुआत की। शुरुआत में हमारे विरोधियों ने हम पर तंज कसे कि जो पाइप डाले जा रहे हैं, उनसे पानी की जगह हवा की सप्लाई होगी, लेकिन हमारी मेहनत का फल मिला और इसे अब पूरी दुनिया देख रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने पर्यावरण के लिए देशवासियों से एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की है। जब पेड़ लगते हैं तो भूजल का स्तर बढ़ता है। बीते कुछ सप्ताह में मां के नाम पर देश में करोड़ों पेड़ लगाए जा चुके हैं। ऐसे कितने ही अभियान और संकल्प हैं, जो 140 करोड़ देशवासियों की भागीदारी से आज जनांदोलन बनते जा रहे हैं। हमारी सरकार पूरे समाज के लिए काम करने की सोच के साथ काम कर रही है। बीते 10 वर्षों में हमारी सभी प्रमुख योजनाओं को देखें तो हमने जल संबंधी मुद्दों पर कई वर्जनाओं को तोड़ा है।

भाजपा को कमल चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने से रोकने सम्बन्धी याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी को कमल चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने से रोकने की मांग कर रही याचिका खारिज कर दी है। शुक्रवार को शीर्ष न्यायालय ने याचिकाकर्ता को फटकार भी लगाई और कहा कि आप प्रसिद्धि के लिए ऐसा कर रहे हैं। इससे पहले मार्च में भी मद्रास हाईकोर्ट में इस तरह की याचिका दाखिल हुई थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था।

दरअसल, याचिकाकर्ता जयंत विपट ने साल 2022 में दीवानी मुकदमा दाखिल किया था। दावा किया गया था कि एक राजनीतिक दल के तौर पर भारतीय जनता पार्टी को रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपुल एक्ट के आधार पर रजिस्टर्ड पार्टी को मिलने वाले फायदे लेने का अधिकार नहीं है। विपट ने पार्टी को लाभ मिलने से रोकने के लिए निर्देशों की मांग की थी। उन्होंने पार्टी के चिह्न के तौर पर कमल का इस्तेमाल से रोके जाने की भी मांग की थी।

खास बात है कि अक्टूबर 2023 में तकनीकी आधार पर सिविल कोर्ट ने मुकदमे को खारिज कर दिया था। इसके बाद विपट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का रुख किया था। उच्च न्यायालय से भी उन्हें झटका लगा और याचिका खारिज हो गई। फिर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

मद्रास हाईकोर्ट में भी टी रमेश नाम के शख्स ने याचिका दाखिल की थी। उन्होंने भाजपा को कमल चुनाव चिह्न आवंटित करने से रोकने के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी करने की मांग की थी। तब कहा गया था कि कमल भारत का राष्ट्रीय फूल है और उसे किसी राजनीतिक दल को आवंटित नहीं किया जा सकता है।

बम की अफवाह के बाद मुंबई से फ्रैंकफर्ट फ्लाइट तुर्की डायवर्ट

मुंबई (ईएमएस)। शुक्रवार को मुंबई से फ्रैंकफर्ट (यूके 27) की ओर जा रहे विस्तारा बोइंग 787 को डायवर्ट करना पड़ा। विमान के टॉयलेट में एक टिश्यू पेपर पर प्लेन में बम है...यह मैसेज लिखा था। इसके बाद विमान को सुरक्षा कारणों से तुर्की के एर्ज़ुरूम एयरपोर्ट की तरफ डायवर्ट कर दिया गया। इसके बाद विमान तुर्की में सुरक्षित रूप से उतारा गया।

घटना को लेकर विस्तारा ने बताया कि उनकी फ्लाइट 27, जो 6 सितंबर, 2024 को मुंबई से फ्रैंकफर्ट के लिए ऑपरेट हो रही थी, को एक सुरक्षा चिंता के कारण तुर्की मोड़ दिया गया था। कंपनी ने कहा कि इसे हमारे चालक दल ने ऑनबोर्ड नोट किया था। विमान एर्जुरम एयरपोर्ट पर सुरक्षित रूप से उतरा है। प्रोटोकॉल के अनुसार, संबंधित अधिकारियों को तुरंत सतर्क कर दिया गया और हम अनिवार्य सुरक्षा जांच पूरी करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों के साथ पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं।

राजस्थान में बारिश के 13 साल का रिकॉर्ड टूटा

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में बारिश के 13 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। इस मानसून सीजन, 1 जून से 5 सितंबर तक औसत 607.5 मिमी बारिश हो गई है, जबकि पूरे सीजन में 435.6 मिमी बारिश होती है। साल 2011 से 2023 तक कभी भी 600 मिमी बरसात नहीं हुई।

राजस्थान के कई डैम ओवरफ्लो हो गए हैं। 2004 से बीसलपुर बांध के गेट अब तक सिर्फ 6 बार (2004, 2006, 2014, 2016, 2019, 2020) में खोले गए हैं। मध्य प्रदेश में 1 जून से 5 सितंबर तक 904.9 मिमी बारिश हुई। यह सालाना मानसून औसत से 10 प्रतिशत ज्यादा है। राज्य में इस अवधि में सामान्य रूप से 823.9 मिमी बारिश होती है।

आंध्र प्रदेश में बाढ़ के कारण 6 लाख लोगों ने घर छोड़ा आंध्र प्रदेश में अभी तक हालात समान्य नहीं हुए हैं। पिछले एक हफ्ते से लगातार भारी बारिश होने से कई जिलों में बाढ़ आ गई है। विजयवाड़ा में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। सड़कें और घर जलमग्न हो गए हैं। राज्य में अब तक 17 लोगों की मौत हुई है। 6 लाख से ज्यादा लोग घर छोड़ कर सुरक्षित जगहों पर शरण लिए हुए हैं।

बाढ़ के कारण 3,973 किमी सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। केंद्र सरकार ने राहत-बचाव के लिए 30 एनडीआरएफ टीमों और हेलिकॉप्टरों को तैनात किया है। सेना की भी मदद ली जा रही है।

मौसम विभाग के मुताबिक, पूर्वी राजस्थान, ओडिशा, असम, मेघालय में अतिभारी बारिश (12 सेमी) का अलर्ट है। उत्तराखंड, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कोंकण-गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तटीय कर्नाटक में भारी बारिश (7 सेमी) का अलर्ट है। राजस्थान और मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों में बिजली गिर सकती है।

उत्तराखंड में सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस की शाखाओं में जाने की इजाजत पर विवाद

देहरादून (ईएमएस)। उत्तराखंड की धामी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रमों में शामिल होने पर लगी 58 साल पहले की पाबंदी को हटा लिया। इसके बाद कर्मचारी न सिर्फ शाखाओं में बल्कि अन्य सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भाग ले सकेंगे।

इस फैसले पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने टिप्पणी की कि जिनको राष्ट्रवादी बनना है वे संघ की शाखाओं में आएंगे। उन्होंने कहा कि, विपक्ष तो हर मामले पर सवाल खड़ा करता है। मैं उनसे आग्रह करता हूं कि राष्ट्रवादी सोच के लिए वह आरएसएस की शाखों में आएं। धर्म का कोई विषय नहीं है, सभी धर्म के लोग आएंगे।

कांग्रेस ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि, भाजपा के पास कार्यकर्ताओं की कमी हो गई है इसलिए अब वह सरकारी कर्मचारियों को कार्यकर्ता बना रही है। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि, किसी को आरएसएस में भेजने के लिए आदेश होंगे तो निश्चित रूप से सरकार को इस बात के लिए तैयार रहना होगा, हो सकता है कि आगे सेवादल की बैठक में भी जाना पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट से डॉ. संदीप घोष को झटका.......घोष बाबू के खिलाफ जांच करे सीबीआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष को सुप्रीम कोर्ट से शुक्रवार को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने घोष के कार्यकाल में वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई जांच के हाईकोर्ट के आदेर्शी में हस्तक्षेप करने से साफ मना कर दिया है। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को जांच करने की मंजूरी भी दे दी है।

दरअसल हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ घोष ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। 24 अगस्त को कोलकाता हाई कोर्ट ने वित्तीय अनियमितताओं की एसआईटी से लेकर सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था। घोष के खिलाफ आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व उपाधीक्षक डॉ. अख्तर अली ने वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें अस्पताल में शवों की तस्करी, बायो-मेडिकल कचरे में भ्रष्टाचार, निर्माण निविदाओं में भाई-भतीजावाद आदि जैसे आरोप लगाए गए थे। इसकी जांच पहले कोलकाता पुलिस को सौंपी गई थी। 19 अगस्त को संदीप घोष के खिलाफ पुलिस ने आईपीसी की धारा 120बी, 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत केस दर्ज किया था।

हरियाणा में 50 सीटों पर लड़ेगी आप, कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग पर गतिरोध

नई दिल्ली (ईएमएस)। हरियाणा में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन पर गतिरोध पैदा हो गया है। सीटों की तादाद और निर्वाचन क्षेत्रों के चयन को लेकर दोनों के बीच बातचीत अटक गई है। आम आदमी पार्टी को कांग्रेस का फॉर्मूला मंजूर नहीं है। अगर कांग्रेस तय मौजूदा फॉर्मूले पर कायम रहती है तो संभव है कि दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन न हो। ऐसी स्थिति में आप हरियाणा में 50 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस और बीजेपी के कई बागी आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं। रविवार को आप के उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होगी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 12 सितंबर है।

सूत्रों के मुताबिक, विधानसभा चुनाव में गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी कांग्रेस से 10 सीटें मांग रही है। जबकि कांग्रेस आप को 5 सीटें देने को राजी है। कांग्रेस के सभी बड़े नेता इस पर सहमत हैं।

रेसलर विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया का इस्तीफा मंजूर नहीं किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस पार्टी की सदस्यता लेने वाले रेसलर विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया ने रेलवे की नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि भारतीय रेलवे ने दोनों रेसलर का इस्तीफा मंजूर नहीं किया है। जब तक रेलवे उनका इस्तीफा मंजूर नहीं कर लेता, तब तक दोनों न तो कोई पार्टी ज्वॉइन कर सकते हैं। न ही चुनाव लड़ सकते हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रेलवे ने कांग्रेस की सदस्यता लेने के बाद विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया को अभी तक कोई नोटिस जारी नहीं किया है। रेलवे की तरफ से दोनों रेसलर को 4 सितंबर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में रेलवे की ओर से पूछा गया था, पता चला है कि आप लोग राजनीतिक गतिविधि में शामिल हैं, लेकिन नौकरी में रहते हुए यह करना संभव नहीं है। इसलिए जवाब दें। विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया ने नोटिस का जवाब दिया था या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है।

टीबी के इलाज के लिए नई व अधिक प्रभावी उपचार योजना बीपीएएलएम को मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मल्टी-ड्रग-रेजिस्टेंट टीबी के इलाज के लिए एक नई व अधिक प्रभावी उपचार योजना बीपीएएलएम को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत दी गई है। बीपीएएलएम रेजीमेन एमडीआर - टीबी के इलाज के लिए एक नया ट्रीटमेंट है। इसके इलाज का समय सिर्फ 6 महीने है, जबकि पहले के इलाज का समय 20 महीने तक का होता था। इस नई चिकित्सा पद्धति में एक नया एंटी-टीबी ड्रग प्रेटोमैनिड शामिल है, जिसे बेडाक्विलिन और लाइनोजोलिड के साथ (मोक्सिफ्लॉक्सासिन के साथ या बिना) मिलाया जाता है। प्रेटोमैनिड को पहले ही भारत में सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन द्वारा मंजूरी और लाइसेंस दिया जा चुका है।

मल्टी-ड्रग-रेजिस्टेंट टीबी के इलाज के लिए जिस नई पद्धति को मंजूरी दी गई है उसमें चार दवाओं का संयोजन शामिल है। बीपीएएलएम रेजीमेन की चार-दवाओं का संयोजन पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित, प्रभावी और तेजी से परिणाम देने वाला है। पारंपरिक एमडीआर - टीबी उपचार जहां 20 महीने तक चलता था और इसके गंभीर साइड इफेक्ट्स होते थे, तो वहीं बीपीएएलएम रेजीमेन सिर्फ 6 महीने में ड्रग-रेजिस्टेंट टीबी का इलाज कर सकता है और इसकी सफलता दर भी अधिक है। सरकार द्वारा इस नई उपचार योजना को मंजूरी देना भारत की टीबी उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस नई योजना से टीबी के इलाज में तेजी आएगी और रोगियों को कम समय में बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे।

भारत के 75,000 टीबी रोगी अब इस छोटी अवधि के उपचार का लाभ उठा सकेंगे। अन्य लाभों के साथ, लागत में समग्र बचत होगी। सरकारी बयान में कहा गया है, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के परामर्श से इस नए टीबी उपचार पद्धति की पुष्टि सुनिश्चित की है, जिसके लिए देश के विषय विशेषज्ञों द्वारा साक्ष्य की गहन समीक्षा की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक मूल्यांकन भी करवाया है कि यह एमडीआर-टीबी उपचार विकल्प सुरक्षित और लागत प्रभावी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, इस कदम से देश के 2025 तक टीबी को समाप्त करने के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी को जमानत...... ऐसी क्या कमजोरी रखी गई पैरवी में

भजनलाल सरकार का बयान, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल में तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया जाता था इसलिए जिहादियों और आतंकवादियों के मामलों की पैरवी में संभवतः जानबूझकर कमी रखी जाती थी। इसी कड़ी में खबर आई है कि उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल हत्याकांड के एक आरोपी मोहम्मद जावेद को उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी। दर्जी कन्हैयालाल हत्याकांड का वीडियो पूरे देश ने देखा था। हत्यारों ने अलग से जो वीडियो बनाकर सर तन से जुदा करने की धमकी दी थी वह भी लोगों को याद है। तमाम सबूत सोशल मीडिया पर ही उपलब्ध हैं, इसके बाद सवाल उठता है कि मुकदमे की पैरवी में ऐसी क्या कमजोरी रखी गई कि हत्या के आरोपी को जमानत मिल गई ?

गौर करने वाली बात यहां है कि जैसे ही अदालत से जमानत मिली, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का बयान आ गया कि भाजपा ने चुनावी लाभ लेने के लिए इस घटना का राजनीतिक इस्तेमाल किया। यहां सवाल गहलोत से है कि क्या वे वीडियो देखने के बावजूद इसे मानने के लिए तैयार नहीं हैं कि कन्हैयालाल की हत्या उन्हीं हत्यारों ने की थी?

18 शार्प शूटर......200 पुलिसवाले आदमखोर भेड़ियों को खत्म करने में जुटे

बहराइच (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में आदमखोर भेड़ियों की दहशत इतना हैं कि लोग रात में सो नहीं पा रहे है। पता नहीं कब और कहां से भेड़िया आ जाए हमला कर दें। इन आदमखोरों के हमले में अबतक 9 बच्चों सहित 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल हैं। प्रशासन बचे हुए दो भेड़ियों को पकड़ने के लिए लगातार ऑपरेशन चला रहा है। आदमखोरों को पकड़ने के लिए वन विभाग की 25 टीमें लगी हुई हैं। वहीं लोगों की सुरक्षा को देखकर 200 पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया है। गांव वालों को सलाह दी जा रही है कि अपने बच्चों को सुरक्षित रखें और रात में घरों के गेट लगाकर अंदर ही सोएं।

महसी तहसील क्षेत्र के 35 गांवों में भेड़ियों का आतंक है। इस इलाके को वन विभाग ने तीन सेक्टर और एक रिजर्व सेक्टर में बांट दिया है। इन सेक्टरों के प्रभारी भी बनाए गए हैं, जिन्हें जिम्मेदारी दी गई है कि भेड़ियों को किस तरह पकड़ा जाए, इसका प्लान बनाएं। इसके अलावा गांवों के लोगों की सुरक्षा को लेकर 200 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा 18 शार्प शूटरों और 62 वनकर्मियों को भी काम पर लगाया गया है।

सेंट्रल जोन की चीफ फॉरेस्ट कंजर्वेटर रेणु सिंह ने बताया, जहां भेड़िये बच्चों को मार रहे हैं, हम लोगों ने उस एरिया को मैप कर तीन सेक्टर में बांटा है। इसके अलावा एक सेक्टर रिजर्व रखा है,इसके इंचार्ज डीएफओ और एक एसीएफ है। जो रिजर्व सेक्टर है, उसके इंचार्ज भी एसीएफ हैं। इसके अलावा हमने एक कमान सेंटर बनाया है। जिसमें बाहर से सूचना आएगी।

कर्नाटक की पूर्व भाजपा सरकार पर घोटाले का आरोप, कांग्रेस का दावा

कोविड महामारी के दौरान 1,000 करोड़ की हेराफेरी

बेंगलुरु(ईएमएस)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने पूर्व भाजपा सरकार पर कोविड फंड में करोड़ों रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है। कांग्रेस का दावा है कि कोविड के दौरान राज्य को कुल 13 हजार करोड़ रुपए का फंड मिला था। इसमें लगभग 1000 करोड़ रुपए की हेराफेरी की गई। तब बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा की सरकार थी। कांग्रेस ने कोविड-19 मैनेजमेंट पर जस्टिस जॉन माइकल डी कुन्हा कमीशन की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के हवाले से घोटाले का दावा किया है।

कर्नाटक सरकार में कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने बताया कि रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड फंड से जुड़ी कई फाइलें गायब हैं, जिन्हें बार-बार कहने के बावजूद उनके सामने नहीं रखा गया। कर्नाटक में पिछले साल मई में कांग्रेस की सरकार बनी थी। कांग्रेस ने सत्ता में आने पर कोविड फंड में घोटाले की जांच कराने का वादा किया था। पार्टी की जीत के बाद सिद्धारमैया सीएम बने और उन्होंने अगस्त, 2023 में घोटाले की न्यायिक जांच का आदेश दिए थे। सीएम ने जांच अधिकारियों को कोविड महामारी के दौरान दवाओं, उपकरणों की खरीद और ऑक्सीजन आपूर्ति में अनियमितताओं की जांच का काम सौंपा गया था।

विधानसभा में पेश होगी रिपोर्ट

सूत्रों के मुताबिक, 1000 पेज की रिपोर्ट को अभी पांच से छह हिस्सों में पेश किया गया है। अगले छह महीनों के भीतर इसके पूरे होने की उम्मीद है। इसे विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान भी पेश किया जा सकता है। मंत्री पाटिल ने बताया कि सिद्धारमैया सरकार ने कमेटी का कार्यकाल छह महीने बढ़ा दिया है, ताकि वह अंतिम रिपोर्ट पेश कर सके। इसके अलावा अधिकारियों की एक टीम को प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सौंपी गई है, जो एक महीने के भीतर इसका विश्लेषण करके सरकार को सौंपेगी। इस टीम में चीफ सेक्रेटरी शालिनी रजनीश, चीफ सेक्रेटरी के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी और कुछ अन्य अधिकारी शामिल हैं।

मणिपुर में पूर्व मुख्यमंत्री के घर पर रॉकेट से हमला, एक की मौत, 5 घायल

-2 इमारतें क्षतिग्रस्त हुई

इंफाल (ईएमएस) । मणिपुर के बिष्णुपुर में पूर्व मुख्यमंत्री के घर पर रॉकेट से हमला हुआ है। इस हमले में एक शख़्स की मौत हो गई और 5 अन्य लोग घायल हो गए हैं। सुरक्षा बल हमलावरों की तलाश में लगे हैं।

मणिपुर में जारी हिंसा के बीच विष्णुपुर जिले में शुक्रवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने पूर्व सीएम मैरेम्बम कोइरेंग के घर पर रॉकेट बम से अटैक किया। इस हमले में 1 बुजुर्ग व्यक्ति की मौत और 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आज सुबह मोइरंग इलाकेसे 4 किलोमीटर दूर ट्रोंगलाओबी में रॉकेट बम से हमला हुआ। इसमें 2 इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई थी। ऐसी आशंका है कि कुकी उग्रवादियों को म्यांमार से टेक्निकल सपोर्ट और ट्रेनिंग मिल रही है। उग्रवादियों ने रॉकेट के अलावा बम का भी इस्तेमाल किया। पुलिस के अनुसार पहले कभी मोइरांग में बंदूक और बम से हमले नहीं हुए थे। इन रॉकेट्स की मारक क्षमता 3 किलोमीटर से अधिक थी। हालांकि, बम विस्फोट में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन एक स्थानीय सामुदायिक हॉल और एक खाली कमरा डैमेज हो गया। मणिपुर में हाल के हमलों ने सुरक्षा की गंभीर चुनौतियों को उजागर किया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

हाथरस में बड़ा सड़क हादसा, दो गाड़ियों की टक्कर में 12 लोगों की मौत

हाथरस (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश के हाथरस में शुक्रवार को दो गाड़ियों की टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई।हादसे में 16 से ज्यादा लोग जख्मी भी हो गए।उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मारे गए लोग तेरहवीं का भोज खाकर लौट रहे थे। खंदौली के पास ओवरलोडेड पिकअप को रोडवेज बस ने पीछे से टक्कर मारी. पिकअप में 30 से 32 लोग सवार थे। मृतकों की शिनाख्त की जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक, हाथरस सासनी के मुकुंद खेड़ा से कुछ लोग मैक्स पिकअप से तेरहवीं का भोज खाकर खंदौली के पास गांव सेवला लौट रहे थे। हादसा आगरा-अलीगढ़ नेशनल हाइवे पर हुआ। हादसे में घायल 16 लोगों में से 4 की हालत नाजुक बताई जा रही है, उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मरने वालों में 4 बच्चे, 4 महिला और 4 पुरुष शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ नक्सल संगठन में 60 प्रतिशत महिलाएं

6 महीने में हुए बड़े एनकाउंटर में 36 से ज्यादा ढेर

जगदलपुर(ईएमएस)। छत्तीसगढ़ के नक्सल संगठन में महिला माओवादियों की संख्या पुरुषों से ज्यादा है। बस्तर संगठन में करीब 60 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो मुठभेड़ के दौरान फ्रंट लाइन में रहकर लड़ती हैं। पिछले 6 महीने में हुए बड़े एनकाउंटर में 36 से ज्यादा महिलाएं मारी गईं। ये सभी 8 लाख तक की इनामी थीं।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी के मुताबिक नक्सल संगठन में पिछले कुछ सालों में बंदूक की नोंक पर युवतियों की भर्ती की गई। इन्हें साइकोलॉजिकल गुमराह किया जाता है, फिर लड़ाई की स्पेशल ट्रेनिंग देते हैं। कुछ एरिया कमेटी को महिला नक्सली ही लीड करती हैं। एनकाउंटर के दौरान उन्हें टॉप लीडर्स हमेशा फ्रंट लाइन में खड़ा कर मरने के लिए छोड़ देते हैं।

इन डिवीजन में महिलाओं की ज्यादा संख्या

नक्सालियों के उत्तर बस्तर डिवीजन कमेटी, माड़ डिवीजन, पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी में महिलाओं की संख्या अधिक है। इसके अलावा नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा की बटालियन नंबर 1 में 45 से 50 प्रतिशत महिलाएं ही हैं, जो इंसास, एसएलआर जैसे राइफल चलाती हैं। माओवाद संगठन में सुजाता का नाम चर्चित है, जो डीकेएसजेडसी कैडर की है। इस पर 25 लाख रुपए का इनाम घोषित है।

जन हितैषी

सेबी में हुई गड़बड़ियों की तुरंत जांच करे सरकार

- निवेशकों में हर्षद मेहता जैसे घोटाले की आशंका

हाल के दिनों में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख माधवी पुरी बुच के ऊपर कई आरोप सामने आए हैं, सबसे गंभीर आरोप यह है, कि उन्होंने एक साथ दो कंपनियों आईसीआईसीआई बैंक और ग्रेटर पैसिफिक कैपिटल, में काम किया है। कांग्रेस द्वारा लगातार प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इन मुद्दों को उठाया जा रहा है। मीडिया एवं सोशल मीडिया में भी आरोप लगाए गए हैं। अडानी समूह से रिश्ते होने के आरोप भी हिडनबर्ग की रिपोर्ट में उनके ऊपर लगे हैं। सेबी और सरकार की तरफ से अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। सेबी के 500 से अधिक अधिकारियों द्वारा सेबी प्रमुख के कामकाज तथा सेबी कार्यालय के माहौल को लेकर वित्त मंत्रालय में शिकायत की है। इस शिकायत में नेतृत्व की कठोरता और मानसिक उत्पीड़न की शिकायत को 1 माह से अधिक समय हो गया है। सरकार और वित्त मंत्रालय ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। रावण के लिए एक विभीषण काफी था। यहां तो 500 से ज्यादा विभीषण खड़े हो गए हैं। यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सेबी जैसी संस्था पर भारतीय शेयर बाजार की पारदर्शिता और निष्पक्षता को बनाए रखने की जिम्मेदारी है। देश में करोड़ों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष निवेशक हैं। जिनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सेबी को निष्पक्ष रूप से काम करना होता है। जब सेबी के भीतर ही बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हो रही हों। इसमें सरकार की चुप्पी, देश की वित्तीय प्रणाली पर एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। इससे आम निवेशकों में भय फैल रहा है। उद्योग जगत ने भी अपनी तीव्र प्रतिक्रिया दी है। ज़ी टीवी के प्रमुख सुभाष चंद्रा ने भी खुलकर अपनी बात मीडिया के सामने कही है। कॉरपोरेट वॉर जैसी स्थिति बन गई है। कांग्रेस ने लगातार तीन से अधिक पत्रकार वार्ता कर दस्तावेज प्रस्तुत करने के साथ आरोप लगाए हैं। सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच द्वारा किसी भी आरोप का जवाब नहीं देना, सरकार द्वारा माधवी से जवाब नहीं मांगना, यह साबित करता है, कि सरकार माधवी बुच को किसी कारण से बचाना चाहती है। इस कारण सरकार की साख दिनों दिन गिर रही है। इस मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के लड़के का भी नाम आना शुरू हो गया है। केंद्र सरकार पर यह भी आरोप लगने लगे हैं। क्रोनी कैपिटल को बढ़ावा देने के लिए सरकार के इशारे पर सेबी द्वारा जिस तरह से नीतियां बनाई गई हैं, क्रॉनि कैपिटल को बढ़ावा देने और बाजार पर कुछ उद्योग समूह का नियंत्रण बनाने में सेबी प्रमुख के साथ-साथ सरकार की सहभागिता भी है। जिसके कारण सरकार सेबी प्रमुख माधवी बुच का बचाव कर रही है। देश में जिस तरह की राजनीतिक एवं आर्थिक स्थितियां वर्तमान में बनी हुई हैं। उसमें सरकार खुद फंसती हुई, नजर आ रही है। जिस तरह के सेबी प्रमुख पर आरोप लगे हैं। उन सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच हो। सभी आरोपों का पारदर्शी तरीके से निपटारा हो। इसकी जवाबदारी सरकार की है। सेबी जैसी संस्था की विश्वसनीयता और इसके कामकाज को पारदर्शी बनाए रखना देश के वित्तीय हितों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। करोडों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष निवेशकों के हितों के लिए बहुत जरूरी है। 1992 के हर्षद मेहता घोटाले में यूटीआई और बैंकों में जिन लोगों ने निवेश किया था, उन लोगों को भी काफी बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पडा था। 1993 की तुलना में 2023 और 24 में बैंकों और वित्तीय संस्थाओं का शेयर बाजार में कई गुना ज्यादा निवेश है। यदि मामले को तुरंत नहीं संभाला गया, तो आने वाले दिनों में शेयर बाजार में बड़ी उथल-पुथल होती है। ऐसी स्थिति में करोड़ों छोटे-छोटे निवेशक सड़क पर आकर खड़े हो जाएंगे। इस स्थिति को संभाल पाना सरकार के लिए संभव नहीं होगा। सरकार को तत्काल इस मामले मे संज्ञान लेकर, कार्रवाई करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट को भी स्वयं संज्ञान लेकर इस मामले की पुनः सुनवाई शुरू करनी चाहिए। जिस तरह के हालात देखने को मिल रहे हैं, उससे लोगों की चिंता बढ़ रही है।

संगठन पर्व से राष्ट्र निर्माण

-विकसित भारत की संकल्प सिद्धि का अभियान

लोकतंत्र की भावना भारतीय जनता पार्टी संगठन की पंच निष्ठाओं में से एक है। यह भावना सिर्फ वैचारिक स्तर पर ही नहीं, अपितु पार्टी के आचरण और उसकी कार्यपद्धति में भी स्पष्ट दिखाई देती है। संगठन पर्व भाजपा का सदस्यता अभियान इसी लोकतांत्रिक कार्य पद्धति का महत्वपूर्ण अंग है, जिसके माध्यम से नए सदस्य भाजपा परिवार से जुड़ते हैं और विचार को विस्तार देते हैं। ऐसे ही विशिष्ट कार्यशैली वाले अभियानों के बल पर भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा सदस्यता ग्रहण किए जाने के उपरांत देश में 2 सितंबर से संगठन पर्व प्रारंभ हो चुका है। हमारे पूर्वजों ने पार्टी संगठन तथा कार्यकर्ताओं को गढ़ने और तराशने के लिए जो त्याग और परिश्रम किया है, उसी के बल पर वर्तमान में मध्यप्रदेश के पार्टी संगठन को पूरे देश में आदर्श माना जाता है। प्रदेश के लाखों-लाख कार्यकर्ता अपनी इस पहचान को कायम रखते हुए संगठन पर्व में पार्टी के विस्तार को नई ऊंचाइयां प्रदान करने को तैयार हैं।

पंचनिष्ठाओं पर आधारित हमारा विचार और आधार

भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म-मानवदर्शन' को अपने वैचारिक, दर्शन के रूप मंय अपनाया है तथा सुशासन, विकास एवं सुरक्षा भाजपा की प्राथमिकताएं हैं। पार्टी ने पांच प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की है, जिन्हें 'पंचनिष्ठा' कहते हैं। यह पंचनिष्ठाएं राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ-निरपेक्षता (सर्वधर्म समभाव), गांधीवादी समाजवाद (सामाजिक-आर्थिक विषयों पर गाँधीवादी दृष्टिकोण द्वारा शोषण मुक्त समरस समाज की स्थापना) तथा मूल्य आधारित राजनीति है। भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जो वैचारिक प्रतिष्ठान और अधिष्ठान पर चलती है, और जो राष्ट्रवादी विचारों से जुड़ी है। हमें गर्व है कि हमारा दल देश का ऐसा एकमात्र राजनीतिक दल है, जिसने राष्ट्रहितों के साथ कभी समझौता नहीं किया, अन्य सभी दलों ने सत्ता प्राप्ति एवं स्वार्थ सिद्धि के लिए एक नहीं, अनेकों बार समझौता किया। भाजपा के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का साधन नहीं है, समाज को अपेक्षित दिशा में प्रगति पथ पर ले जाना भी उसका पहला कार्य है। इसके लिये संगत दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जो संगत विचारधारा से प्राप्त होता है। भाजपा को छोड़कर आज भारत के सभी राजनैतिक दल विचारधारा की शून्यता के शिकार हैं। भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद तथा पंचनिष्ठाओं की संगत विचारधाराओं के आधार पर संगठन का नियमन कर रही है। शासन की नीति में भी इनका समुचित प्रतिबिम्बन होगा। भाजपा राष्ट्र प्रथम के साथ शोषित, वंचित, पीड़ित का उत्थान और सेवा कर रही है।

राष्ट्र सर्वोपरि के भाव से अनेकानेक ऐतिहासिक निर्णय हुए

हमारे विचार की संकल्प शक्ति की वजह से ही लगभग पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा के पश्चात आज अयोध्या में भव्य व दिव्य राम मंदिर के निर्माण का सपना वास्तविकता बना है। हमारे पार्टी के संस्थापकों एवं असंख्य कार्यकर्ताओं ने श्रीरामलला को अपने मंदिर में विराजमान देखने हेतु अपनी चुनी हुई सरकारें भी न्यौछावर कर दीं, यह अपने विचारधारा पर अडिग रहने का एक उदाहरण मात्र है। हमारे पितृपुरुषां का संकल्प एवं एक देश में ''दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे की पूर्ति स्वरूप अनुच्छेद 370 को हटाने ऐतिहासिक निर्णय हमारी ध्येय पूर्ति की यात्रा का और एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार एवं हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं देश के वर्तमान गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के कार्यकाल में भाजपा ने श्रद्धेय अटलजी की सरकार तथा तत्कालीन संगठन की नीतियों को दिशा देने के प्रयास के साथ ही अपनी विचारधारा अनुरूप ''राष्ट्र सर्वोपरि मानकर अनेकानेक ऐतिहासिक निर्णय किये हैं जो हमारी विचारों की स्पष्टता को प्रतिलक्षित करते हैं। हमारे संस्थापकों ने भारत को विश्व गुरू बनाने का जो सपना देखा था आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उस ओर हम कर्तव्यपरायणता के साथ अग्रसर हैं।

अंत्योदय का सपना साकार कर रही मोदी सरकार

हमारी ध्येय यात्रा में पूर्ण बहुमत की सरकार आते ही तीन तलाक कानून, नागरिकता संशोधन कानून, आपराधिक न्यायिक कानूनों में बदलाव के साथ ही पंडित दीनदयाल जी के अंत्योदय पर आधारित गरीब-कल्याण की योजनाओं के द्वारा करोड़ों गरीब लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम भी हुआ है। हमारी केंद्र की सरकार ने अंत्योदय के सिद्धांत अनुरूप ही 50 करोड़ से अधिक लोगों के जनधन खाते खुलवाए और आयुष्मान, उज्ज्वला और पीएम आवास जैसी अनुकरणीय योजनाएं संचालित की गईं और देश खुले में शौच से मुक्त हुआ। घर-घर बिजली पहुंचाई गई, 10 करोड़ से अधिक परिवारों को गैस कनेक्शन दिए गए और हर घर शुद्ध पेयजल पहुँचाया। कुछ प्रमुख आधारभूत कार्य हैं जो देश की पूर्ववर्ती सरकारों के 50 वर्षों के शासनकाल की प्राथमिकता होनी चाहिए थी, किन्तु वोट बैंक की राजनीति की वजह से किसी एक वर्ग विशेष की चिंता ही उनकी राजनीति की प्राथमिकता रही है। वे तुष्टीकरण करते रहे, हमने संतुष्टीकरण करने का ईमानदार प्रयास किया। वास्तव में, केंद्र और राज्यों की हमारी सरकारें सुशासन के प्रति समर्पित रहती हैं क्योंकि यही लोकतंत्र की आवश्यकता है। भाजपा समाज के आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति के विकास की बात ही नहीं करती, बल्कि उसे चरितार्थ भी करती है। भाजपा के सिद्धांतों के अनुरूप प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने पारदर्शिता के शासन से देश के लोकत्रंत को मजबूती दी है, जिससे सामान्य व्यक्ति आज गरिमा के साथ जीवनयापन कर रहा है।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरा भारत

आज भारत ही नहीं पूरा विश्व देख रहा है कि एक राजनीतिक दल और उसका नेतृत्व किस प्रकार अपने उन संकल्पों को पूरा करने में सफल सिद्ध हुआ है, जिन्हें पूरा करना कभी असंभव सा लगता था। भाजपा सरकार में अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरे भारत ने अपने पुराने स्वाभिमान और आत्मगौरव को भी वापस हासिल किया है। राष्ट्रीय संकट में जनकल्याण की कसौटी पर भी भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में भाजपा के नेतृत्व ने एक अनूठा उदाहरण विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया है। कोरोना संकट में दुनिया के अनेक देशों ने जहाँ अपने नागरिकों को अपने हाल पर छोड़ दिया, वहीं भारत में भाजपा की मोदी सरकार ने अपने हर नागरिक के जीवन को अमूल्य मानते हुए उनके लिए अनाज के साथ दवाओं और अन्य वस्तुओं को उपलब्ध कराया। स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका तो निभाई और हर नागरिक के लिए उसे मुफ्त उपलब्ध कराने हेतु विश्व का सबसे बड़ा वैक्सिनेशन अभियान चलाकर दुनिया से अपने सामर्थ्य का लोहा भी मनवा लिया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास ही भाजपा का मूलमंत्र बन गया है।

विकसित भारत हेतु सदस्यता अभियान

लगभग 44 वर्षों की इस यात्रा में आज हमारी भाजपा भारतीय राजनीति के जिस शीर्ष पर पहुंची है, वो हमारी विचारधारा के प्रति एकनिष्ठ और समर्पित भाव से बढ़ते रहने के कारण ही संभव हुआ है। अपने 45 वें वर्ष में दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल ने चार दशक पूर्व जो सपने देखे, वह तो साकार हुए ही हैं, साथ ही स्वाधीनता के अमृत वर्ष में मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को अपना दिशा-सूत्र बना चुका है, जिसको पूरा करने का दारोमदार भी भारतीय जनता पार्टी के कोटि-कोटि कार्यकर्ताओं के कंधों पर है। देश की सेवा के लिए अधिकाधिक लोगों को आव्हान और प्रेरित करना भाजपा का संगठन पर्व है। भारतीय जनता पार्टी का यह संगठन पर्व केवल सदस्यता आंकड़ों को बढ़ाने और सत्ता सुख भोगने के लिए नहीं है, बल्कि जनता का दुख-दर्द दूर करने के साथ देश का मान-सम्मान बढ़ाने के लिए है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था कि ''आज का विरोधी कल हमारा मतदाता बने, कल का मतदाता परसों भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बने और परसों का सदस्य हमारा सक्रिय कार्यकर्ता बने''। निश्चित ही भाजपा अपनी संकल्प शक्ति, निष्ठा और नियति से इस लक्ष्य को पूरा करेगी तथा हमारे सदस्य देश के भविष्य-निर्माण की प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका निभाते हुए संकल्प सिद्धि की ओर अग्रसरता में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। (लेखक- विष्णुदत्त शर्मा/ईएमएस)

राष्ट्रीय एकता का पर्व है गणेशोत्सव

(07 सितम्बर गणेश चतुर्थी पर विशेष)

गणेश शब्द का अर्थ होता है जो समस्त जीव के ईश अर्थात् स्वामी हो। गणेश जी को विनायक भी कहते हैं। विनायक शब्द का अर्थ है विशिष्ट नायक। वैदिक मत में सभी कार्य के आरम्भ जिस देवता का पूजन से होता है वही विनायक है। गणेश चतुर्थी के पर्व का आध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्त्व है। मान्यता है कि भगवान गणेश विघ्नो के नाश करने और मंगलमय वातावरण बनाने वाले हैं। गणेश चतुर्थी का त्योहार महाराष्ट्र, गोवा, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु सहित पूरे भारत में काफी जोश के साथ मनाया जाता है। किन्तु महाराष्ट्र में विशेष रूप से गणेशोत्सव को 10 दिनों तक बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। इस त्योहार को गणेशोत्सव या विनायक चतुर्थी भी कहा जाता है।

पुराणों के अनुसार इसी दिन भगवान गणेश का जन्म हुआ था। गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेशजी की पूजा की जाती है। कई प्रमुख जगहों पर भगवान गणेश की बड़ी-बड़ी प्रतिमायें स्थापित की जाती है। इन प्रतिमाओं का नो दिन तक पूजन किया जाता है। बड़ी संख्या में लोग गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने पहुंचते है। नो दिन बाद गणेश प्रतिमाओं को समुद्र, नदी, तालाब में विसर्जित किया जाता है। गणेश चतुर्थी मनाने के दौरान लोग भगवान गणेश की पूजा करते है। गणेश हिन्दू धर्म में सबसे ज्यादा पूजे जाने वाले देवता है। यह उत्सव खासतौर से महाराष्ट्र में मनाया जाता है। हालाँकि अब ये भारत के लगभग सभी राज्यों में मनाया जाने लगा है। गणेश चतुर्थी पर लोग पूरी भक्ति और श्रद्धा से ज्ञान और समृद्धि के भगवान की पूजा करते है।

भगवान गणेश को बुद्धि का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में किसी भी नए काम को प्रारंभ करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। माना जाता है कि भगवान गणेश की पूजा करने के बाद प्रारंभ होने वाला कार्य हर हाल में पूरा होगा। भगवान शिव व माता पार्वती के पुत्र गणेश को विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। गणेश चतुर्थी का त्योहार आने से दो-तीन महीने पहले ही कारीगर भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्तियां बनाना शुरू कर देते हैं। गणेशोत्सव के दौरान बाजारों में भगवान गणेश की अलग-अलग मुद्रा में बेहद ही सुंदर मूर्तियां मिल जाती है। गणेश चतुर्थी वाले दिन लोग इन मूर्तियों को अपने घर लाते हैं। कई जगहों पर 10 दिनों तक पंडाल सजे हुए दिखाई देते हैं जहां गणेश जी की मूर्ति स्थापित होती हैं। प्रत्येक पंडाल में एक पुजारी होता है जो इस दौरान चार विधियों के साथ पूजा करते हैं। सबसे पहले मूर्ति स्थापना करने से पहले प्राणप्रतिष्ठा की जाती है। उन्हें कई तरह की मिठाईयां प्रसाद में चढ़ाई जाती हैं। गणेश जी को मोदक काफी पंसद थे। जिन्हें चावल के आटे, गुड़ और नारियल से बनाया जाता है। इस पूजा में गणपति को लड्डूओं का भोग लगाया जाता है।

इस त्योहार के साथ कई कहानियां भी जुड़ी हुई हैं जिनमें से उनके माता-पिता माता पार्वती और भगवान शिव के साथ जुड़ी कहानी सबसे ज्यादा प्रचलित है। शिवपुराण में रुद्रसंहिता के चतुर्थ खण्ड में वर्णन है कि माता पार्वती ने स्नान करने से पूर्व अपने मैल से एक बालक को उत्पन्न करके उसे अपना द्वारपाल बना दिया था। भगवान शिव ने जब भवन में प्रवेश करना चाहा तब बालक ने उन्हें रोक दिया। इस पर भगवान शंकर ने क्रोधित होकर अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। इससे पार्वती नाराज हो उठीं। भयभीत देवताओं ने देवर्षि नारद की सलाह पर जगदम्बा की स्तुति करके उन्हें शांत किया। भगवान शिवजी के निर्देश पर विष्णुजी उत्तर दिशा में सबसे पहले मिले जीव (हाथी) का सिर काटकर ले आए। मृत्युंजय रुद्र ने गज के उस मस्तक को बालक के धड़ पर रखकर उसे पुनर्जीवित कर दिया। माता पार्वती ने हर्षातिरेक से उस गजमुख बालक को अपने हृदय से लगा लिया। ब्रह्मा, विष्णु, महेश ने उस बालक को सर्वाध्यक्ष घोषित करके अग्र पूज्य होने का वरदान दिया।

महान क्रांतिकारी बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1882 मे वन्देमातरम नामक एक गीत लिखा था। जिस पर भी अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगा कर गीत गाने वालों को जेल मे डालने का फरमान जारी कर दिया था। इन दोनों बातों से लोगो मे अंग्रेजो के प्रति बहुत नाराजगी व्याप्त हो गयी थी। लोगो मे अंग्रेजो के प्रति भय को खत्म करने और इस कानून का विरोध करने के लिए महान स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य तिलक ने गणपति उत्सव की स्थापना की और सबसे पहले पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव का आयोजन किया गया। देश की आजादी के आन्दोलन में गणेश उत्सव ने बहुत महत्वपूण भूमिका निभायी थी। 1894 मे अंग्रेजो ने भारत मे एक कानून बना दिया था जिसे धारा 144 कहते हैं जो आजादी के इतने वर्षों बाद आज भी लागू है। इस कानून मे किसी भी स्थान पर 5 से अधिक व्यक्ति इकट्ठे नहीं हो सकते थे। और ना ही समूह बनाकर कहीं प्रदर्शन कर सकते थे।

1894 से पहले लोग अपने अपने घरो मे गणपति उत्सव मनाते थे। लेकिन 1894 के बाद इसे सामूहिक तौर पर मनाने लगे। पुणे के शनिवारवडा के गणपति उत्सव मे हजारो लोगो की भीड़ उमड़ी। लोकमान्य तिलक ने अंग्रेजो को चेतावनी दी कि हम गणपति उत्सव मनाएगे अंग्रेज पुलिस उन्हे गिरफ्तार करके दिखाये। कानून के मुताबिक अंग्रेज पुलिस किसी राजनीतिक कार्यक्रम मे एकत्रित भीड़ को ही गिरफ्तार कर सकती थी। लेकिन किसी धार्मिक समारोह मे उमड़ी भीड़ को नहीं।

20 अक्तूबर 1894 से 30 अक्तूबर 1894 तक पहली बार 10 दिनो तक पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव मनाया गया। लोक मान्य तिलक वहां भाषण के लिए हर दिन किसी बड़े नेता को आमंत्रित करते। 1895 मे पुणे के शनिवारवाड़ा मे 11 गणपति स्थापित किए गए। उसके अगले साल 31 और अगले साल ये संख्या 100 को पार कर गई। फिर धीरे -धीरे महाराष्ट्र के अन्य बड़े शहरो अहमदनगर, मुंबई, नागपुर, थाणे तक गणपति उत्सव फैलता गया। गणपति उत्सव में हर वर्ष हजारो लोग एकत्रित होते और बड़े नेता उसको राष्ट्रीयता का रंग देने का कार्य करते थे। इस तरह लोगो का गणपति उत्सव के प्रति उत्साह बढ़ता गया और राष्ट्र के प्रति चेतना बढ़ती गई।

1904 में लोकमान्य तिलक ने लोगो से कहा कि गणपति उत्सव का मुख्य उद्देश्य स्वराज्य हासिल करना है। आजादी हासिल करना है और अंग्रेजो को भारत से भगाना है। आजादी के बिना गणेश उत्सव का कोई महत्व नहीं रहेगा। तब पहली बार लोगो ने लोकमान्य तिलक के इस उद्देश्य को बहुत गंभीरता से समझा। आजादी के आन्दोलन में लोकमान्य तिलक द्धारा गणेश उत्सव को लोकोत्सव बनाने के पीछे सामाजिक क्रान्ति का उद्देश्य था। लोकमान्य तिलक ने ब्राह्मणों और गैर ब्राह्मणों की दूरी समाप्त करने के लिए यह पर्व प्रारम्भ किया था जो आगे चलकर एकता की मिसाल बना।

भगवान गणेश ने बिना रुके दस दिनों तक महाभारत लिखी। इस दौरान एक ही स्थान पर लगातार लेखन करने के कारण गणेश जी के शरीर पर धूल और मिट्टी जम गई थी। दसवें दिन गणेश जी ने सरस्वती नदी में स्नान करके शरीर पर जमी धूल और मिट्टी को साफ किया। तभी से गणेश उत्सव के दसवें दिन गणेश जी की मूर्ति का विसर्जन किया जाता है।

लोकमान्य तिलक ने जिस उद्देश्य को लेकर गणेश उत्सव को प्रारम्भ करवाया था वो उद्देश्य आज कितने सार्थक हो रहें हैं। आज के समय में पूरे देश में पहले से कहीं अधिक धूमधाम के साथ गणेशोत्सव मनाये जाते हैं। मगर आज गणेशोत्सव में दिखावा अधिक नजर आता है। आपसी सदभाव व भाईचारे का अभाव दिखता है। आज गणेश उत्सव के पण्डाल एक दूसरे के प्रतिस्पर्धात्मक हो चले हैं। गणेशोत्सव में प्रेरणाएं कोसों दूर होती जा रही हैं और इनको मनाने वालों में एकता नाम मात्र की रह गयी है। इस बार हमें एक बार फिर से संगठित होकर गणेशोत्सव को इतनी ख़ुशी व धूमधाम से मनाना चाहिए जिससे समाज मे एकता व भाईचारा बढ़ सकें। सही मायने में तभी हमारी पूजा सार्थक हो सकेगी। (लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/ ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

बहराइच में आदमखोर भेड़ियों का आतंक

उत्तर प्रदेश के बहराइच में आदमखोर भेड़ियों का आतंक मचा हुआ है. यहां एक बार बार फिर भेड़िये ने बच्चे और ग्रामीण पर हमला कर दिया है उसका आतंक खत्म नहीं हुआ . इसी के साथ वन विभाग की घेराबंदी के बीच भेड़िये भाग निकले हैं. बता दें कि यहां भेड़ियों के झुंड ने अब तक आठ बच्चों और एक महिला की जान ले ली, जबकि 30 से ज्यादा लोगों को घायल कर दिया था. वन विभाग ने अब तक चार भेड़ियों को पकड़ लिया है और दो भेड़ियों की तलाश जारी है. भेड़िये शिकार करने, अपने बच्चों को पालने और अपने क्षेत्र की रक्षा करने के लिए मिलकर काम करते हैं। भेड़िये की सूंघने की क्षमता इंसान से 100 गुना ज्यादा तेज होती है। जब भेड़ियों का एक झुंड हाउल करता है, तो इसे दस मील दूर से सुना जा सकता है। हाउल को दूसरे झुंड को वापस बुलाने या खतरे की चेतावनी देने के लिए भी प्रयोग करते हैं। भेड़िया एक मांसभक्षी जानवर है जो अक्सर झुंड में शिकार करता है। अकेला भेड़िया शिकार छोटे जानवरो का शिकार करता है जैसे पक्षी, खरगोश, मछली। लेकिन झुण्ड में ये बड़े जानवरों का भी शिकार कर लेते हैं। भेड़िये समूहों में रहते हैं जिन्हें पैक्स कहा जाता है। एक झुंड सात से आठ भेड़ियों का एक परिवार है जिसमें एक नर भेड़िया, एक मादा भेड़िया और उनकी संतानें होती हैं। भेड़िये मांसाहारी होते हैं, जिसका अर्थ है कि वे अपने मुख्य भोजन के रूप में मांस खाते हैं। ग्रे भेड़िये ज्यादातर बड़े, खुर वाले जानवरों का शिकार करते हैं जिनमें विभिन्न प्रकार के हिरण, पहाड़ी बकरियां, मूस, बारहसिंगा और बाइसन शामिल हैं। वे खरगोश, ऊदबिलाव, पक्षियों और मछलियों का भी शिकार करते हैंएक बार मैं अपने गाँव में रात में टॉयलेट करते समय 2 -3 भेड़िया को देखा था उसकी आंखे चमक रही थी और एक दम छुप कर बैठा था उस समय मेरी उम्र करीब 16साल की थी एक मोटा डंटा उठाया और ईश्वर की कृपा से आगे ही पड़ा मिला और गुरु गोविन्द सिंह का नाम मन में लिया साहस बढ़ा और गुरु की कृपा से बच निकला क्योंकि वो रास्ता रोक रहा था भेड़िया अक्सर रात में शिकार करता है और बहुत चालाकी से लुक जाता है और जैसे ही रात होती है छोटे बच्चे पर ज्यादा हमला करता है और पहले गर्दन पर वार करता है लेकिन डरपोक भी होता है यदि उसपर तेजी से डंडा चलाना पड़े तो भाग जाता है इसलिए हमें गुरूगोविन्द सिंह के चरणों मेंजब भी ध्यान करता हूँ तो वार करना भी सिखाते है उम्र में सिर्फ बहराइच में नहीं कुछ और गॉव में भी हो सकता है ऐ बार बार ठिकाना बदलता है और भेड़ियों का चालाक और खुंखार स्वभाव उसे जंगल का बड़ा और खतरनाक शिकारी बनाता है. भेड़िया अपनी गहरी आंखों, मजबूत जबड़ों और मजबूत मांसपेशियों के साथ एक खतरनाक शिकारी साबित होता है. भेड़िये शिकार करने, अपने बच्चों को पालने और अपने क्षेत्र की रक्षा करने के लिए मिलकर काम करते हैं। भेड़िये की सूंघने की क्षमता इंसान से 100 गुना ज्यादा तेज होती है। जब भेड़ियों का एक झुंड हाउल करता है, तो इसे दस मील दूर से सुना जा सकता है। हाउल को दूसरे झुंड को वापस बुलाने या खतरे की चेतावनी देने के लिए भी प्रयोग करते हैं। भेड़िया कुत्ते के समान दिखने वाला जंगली जानवर है। एक भेड़िये का आकार कुत्ते से बड़ा होता है। भेड़िया एक मांसाहारी जानवर है। वर्तमान में, जंगली भेड़िये की प्रजातियां जैसे ग्रे वुल्फ (कैनिस ल्यूपस), और लाल भेड़िया (कैनिस रूफस) उत्तरी अमेरिका, यूरोप, एशिया और अफ्रीका में पाए जाते हैं। किसी ज़माने में भेड़िये पूरे यूरेशिया, उत्तर अफ्रीका और उत्तर अमेरिका में पाए जाते थे लेकिन मनुष्यों की आबादी में बढ़ौतरी के साथ अब इनका क्षेत्र पहले से बहुत कम हो गया है। जब भेड़ियों और कुत्तों पर अनुवांशिकी अध्ययन किया गया तो पाया गया के कुत्तों की नस्ल भेड़ियों से ही निकली हुई हैं, यानि दसियों हज़ार वर्ष पहले प्राचीन मनुष्यों ने कुछ भेड़ियों को पालतू बना लिया था जिनसे कुत्तों के वंश की शुरुआत हुई। वर्त्तमान में इनकी 38 उपप्रजातिया ज्ञात है। ग्रे वुल्फ भेड़िया की सबसे प्रमुख प्रजाति है, लेकिन ग्रे भेड़ियों में 40 से अधिक उप-जातियां शामिल हैंबहराइच जिले में आदमखोर भेड़ियों का पहला हमला इसी साल 26 मार्च 24 की शुरुआत में हुआ था। हालांकि, जुलाई के बाद हमलों की संख्या बढ़ गई है। ये भेड़िये अक्सर घरों में सो रहे बच्चों को निशाना बनाते हैं। इन्हें पकड़ने के लिए वन विभाग की 16टीम द्वारा ऑपरेशन भेड़िया चलाया जा रहा हैकुछ भेड़िया पकड़े और मारे जा चुके हैं लेकिन भेड़िया बार बार लोगों को पुनः अपना शिकार कर बहराइच में चकमा दे रहा है सतर्क और सर्चा करने की जरुरत। (लेखक-संजय गोस्वामी/ईएमएस)

शब्द पहेली - 8121

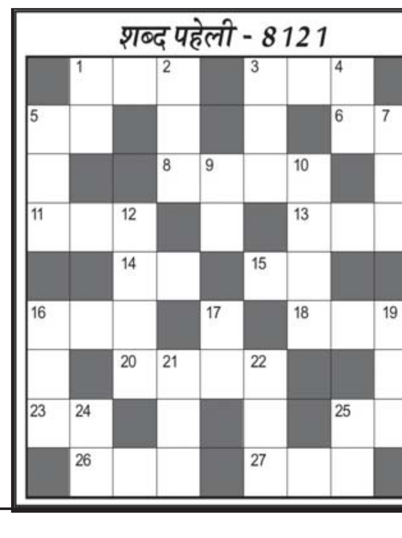

बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान, तरुण-3
5. आकाश, व्योम-2
6. परत, अस्तर-2
8. गर्जना, दहाड़ना-4
11. मदद, आराम-3
13. सुगंध, खुशबू-3
14. धूल, मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता, आविष्कारक-3
18. नस्ल, जाति, प्रजाति-3
20. ओस, रजनीजल-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल, ताकत, दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

ऊपर से नीचे

1. रसना, जिव्हा-2
2. सचेत, सावधान-3
3. जरुरत, आवश्यकता-3
4. ऋतु, मौसम-2
5. दृश्य, तमाशा-3
7. कंठ, गला-3
9. रीती, रिवाज-2
10. प्रसिद्ध, नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि, धरा-3
17. खदान, माईन-2
19. तरंग, हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़, समूह-3
24. राय, वोट-2
25. उत्साह, ललक-2

शब्द पहेली -8120 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

पेरिस पैरालिंपिक में भारत के प्रवीण ने जीता स्वर्ण

पेरिस (ईएमएस)। भारत के प्रवीण कुमार ने पेरिस पैरालिंपिक की ऊंची कूद टी64 स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। प्रवीण ने छह-जंपर क्षेत्र में 2.08 मीटर की सत्र की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पहला स्थान हासिल कर स्वर्ण अपने नाम किया। ये किसी एशियाई खिलाड़ी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

इससे पहले टोक्यो पैरालंपिक खेलों में उन्हें रजत पदक मिला था। वहीं अमेरिका के डेरेक लोकिडेंट ने 2.06 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक जीता जबकि उज्बेकिस्तान के टेमुरबेक गियाज़ोव ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 2.03 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता।

भारतीय पावरलिफ्टर अशोक को छठा स्थान

पेरिस (ईएमएस)। भारत के पावरलिफ्टर अशोक का प्रदर्शन पेरिस पैरालंपिक खेलों में उम्मीद के अनुसार नहीं रहा। अशोक पुरुषों की 65 किग्रा पैरा पावरलिफ्टिंग के फाइनल में छठा स्थान ही हासिल कर पाये। इसमें कुल आठ प्रतियोगियों ने भाग लिया। अशोक पहले प्रयास में 196 किग्रा बजन उठाने में सफल रहे। इसके बाद के प्रयासों में उन्होंने 199 किग्रा और 206 किग्रा का भार उठाया पर ये फाइनल में पहुंचने पर्याप्त नहीं था। पहले स्थान पर चीन के यी जू रहे जबकि दूसरे स्थान पर ब्रिटेन के मार्क स्वान रहे। तीसरा स्थान अल्जीरिया के होसीन बेटिर को मिला।

नीरज ने डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई किया

लुसाने(ईएमएस)। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नीरज ने 14 सीरीज की बैठकों के समापन के बाद समग्र स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर रहने के साथ ही डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह बनायी। नीरज ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 89.49 मीटर के थ्रो के साथ लुसाने डायमंड लीग में दूसरा स्थान हासिल किया। पीटर्स ने 90.61 मीटर के अंतिम थ्रो के साथ और जर्मनी के जूलियन वेबर ने 88.37 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला और तीसरा स्थान हासिल किया।

सीजन का समापन 13 और 14 सितंबर को दो दिवसीय कार्यक्रम से होगा। नीरज ने दोहा और लुसाने में सीरीज की दो बैठकों में भाग लिया और अपने दूसरे स्थान से 14 अंक हासिल किए।

ऐसे में अब वह ज्यूरिख लेग से बाहर रहेंगे। नीरज तीसरे स्थान पर रहने वाले चेकिया के जैकब वडलेच से दो अंक पीछे हैं। वहीं ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स और जर्मन स्टार जूलियन वेबर 29 और 21 अंकों के साथ पहले दो स्थान पर हैं। वहीं पेरिस में चोपड़ा ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया जबकि टोक्यो में उन्हें स्वर्ण पदक मिला था। तब उन्होंने 87.58 मीटर का थ्रो लगाया था।

रोनाल्डो 900 गोल करने वाले विश्व के पहले फुटबॉलर बने

लिस्बन (ईएमएस)। पुर्तगाल के कप्तान और स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रोनाल्डो 900 गोल करने वाले पहले फुटबॉलर बन गये हैं। रोनाल्डो ने क्रोएशिया के खिलाफ यूईएफए नेशंस लीग मैच के दौरान अपने 900 गोल पूरे किये। रोनाल्डो ने मैच के 34वें मिनट में ही क्रोएशिया के खिलाफ गोल करके ये रिकार्ड बनाया। रोनाल्डो के गोल से ही पुर्तगाल की टीम मैच जीतने में भी सफल रही। हाल में वह अपने खराब प्रदर्शन के कारण आलोचना का शिकार बने थे। अब उन्होंने अपने आलोचकों को करारा जवाब मिला है।

रोनाल्डो के शानदार करियर की शुरुआत स्पोर्टिंग सीपी से करते हुए चार गोल किए थे। वहीं साल 2003 में वह इंग्लैंड गये। वह मैनचेस्टर स्थित क्लब में छह साल रहे और 145 गोल किए। वह 2009 में रियल मैड्रिड में शामिल हुए। इससे उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। रोनाल्डो ने इसके बाद चार यूईएफए चैंपियंस लीग, तीन फीफा क्लब विश्व कप, दो ला लीगा और कई अन्य प्रमुख ट्रॉफियां जीतीं।

रियल मैड्रिड के साथ अपने 9 साल के कार्यकाल के दौरान रोनाल्डो ने 450 गोल किए। वह 2018 में टयूरिन स्थित क्लब जुवेंटस में शामिल हुए और उनके लिए 101 गोल किए। जुवेंटस के साथ चार साल बिताने के बाद रोनाल्डो मैनचेस्टर यूनाइटेड में लौट आए और अल नासर में जाने से पहले प्रीमियर लीग में दो साल रहे। उन्होंने रेड डेविल्स के साथ अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान 29 गोल किए। रोनाल्डो 2022 में यूएई के अल नासर में शामिल हुए और अब तक 74 मैच खेल चुके हैं जिसमें उन्होंने अपने मौजूदा क्लब के लिए 68 गोल किए हैं।

पेरिस पैरालंपिकखेलों मेंभारत के कपिल ने जूडो में जीता कांस्य,महिला वर्ग में कोकिला हारी

पेरिस (ईएमएस)। भारत के कपिल परमार ने पेरिस पैरालंपिक खेलों में ब्राजील के एलिल्टोन डि ओलिवेरा को हराकर कांस्य पदक जीता है। कपिल ने जे1 60 किग्रा पुरुष पैरा जूडो स्पर्धा में ओलिवेरा को हराया। इस प्रकार भारत को जूडो में पहला पदक मिला है। परमार ने कांस्य पदक के मुकाबले में रिकॉर्ड 10-0 से जीत दर्ज की।

वह इससे पहले सेमीफाइनल में ईरान के एस बनिताबा खोर्रम अबादी से हारे थे। परमार को सेमीफाइनल में ईरान के खोर्रम के हाथों 0-10 से हार का सामना करना पड़ा। परमार ने 2022 एशियाई खेलों में इसी वर्ग में रजत पदक जीता था।उन्होंने क्वार्टरफाइनल में वेनेजुएला के मार्को डेनिस ब्लांको को 10-0 से हराया। वहीं महिलाओं के 48 किग्रा जे2 वर्ग के क्वार्टरफाइनल में भारत की कोकिला हार गयीं। कोकिला को कजाखस्तान की अकमारल नौटबेक ने 0-10 से हराया। वहीं रेपेशेज ए के जे2 फाइनल में भारत की कोकिला को यूक्रेन की यूलिया इवानित्स्का के हाथों 0-10 से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय मूल के आयरिश क्रिकेटर सिमी सिंह की हालात गंभीर

डबलिन (ईएमएस)। आयरलैंड की ओर से खेलने वाले भारतीय मूल के क्रिकेटर सिमी सिंह एक गंभीर बिमारी से पीड़ित होने के कारण अस्पाल में भर्ती हैं। आयरलैंड क्रिकेट बोर्ड ने ये जानकारी दी है। साथ ही कहा कि सिमी एक फाइटर हैं और हमें भरोसा है कि वह जिंदगी की जंग जीतकर एक बार फिर खेल में वापसी करेंगे। सिमी ने आयरलैंड की और से 35 एकदिवसीय और 53 टी20 मैच खेले हैं। इस क्रिकेटर ने आखिरी बार टी20 विश्व कप 2022 में खेल था उसके बाद से ही वह खेल से दूर हैं। क्रिकेट आयरलैंड ने सिमी सिंह के बारे में बयान जारी किया है. इसमें कहा गया है, 'हमें सिमी के दोस्त से बुरी खबर मिली है। सिमी एक गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। साथ ही कहा कि इस कठिन दौर में हम सिमी के साथ हैं और उनकी सहायता का प्रयास कर रहे हैं।' आयरिश बोर्ड ने कहा कि सिमी जब से आयरलैंड आए हैं तभी से वह यहां की क्रिकेट टीम के मुख्य खिलाड़ी रहे हैं। नेशनल टीम हो या क्लब क्रिकेट, उन्होंने हमेशा ही टीम के प्रति अहम योगदान दिया है। हमें भरोसा है कि वह इस बीमारी को भी हराकर विजेता बनकर वापस करेंगे।

सिमी ने आयरलैंड जाने से पहले पंजाब के लिए अंडर-15 और अंडर-17 टीम में खेला है। वह विराट कोहली, युजवेंद्र चहल, सिद्धार्थ कौल के साथ भी खेल चुके हैं। 37 साल के सिमी आयरलैंड के बेहतरीन ऑलराउंडर्स में शामिल हैं। उन्होंने 35 एकदिवसीय मैचों में 39 विकेट लिए और 593 रन भी बनाए हैं। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक भी शामिल है। इसी तरह टी20 मैचों में उन्होंने 53 मैच में 44 विकेट लिए और 296 रन बनाए।

सबालेंका अमेरिकी ओपन के फाइनल में पहुंची

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। बेलारुस की आर्यना सबालेंका ने लगातार दूसरी बार अमेरिकी ओपन टेनिस के फाइनल में जगह बनायी है। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी सबालेंका ने अमेरिका की ही एम्मा नवारो को 6-3, 7-6(2) से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। सबालेंका को पिछली बार फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ से हार का सामना करना पड़ा था। सबालेंका ने यहां पहुंचने से पहले सिनसिनाटी ओपन जीता था। अब उसका लक्ष्य लगातार दूसरा मैच जीतना रहेगा।

इस जीत के साथ ही सबालेंका 2018 और 2019 में सेरेना विलियम्स के बाद लगातार यूएस ओपन फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनी हैं। सबालेंका पिछले दो सत्र के दौरान सभी चार हार्ड-कोर्ट ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंची हैं। अब एंजेलिक कर्बर के ऑस्ट्रेलियन ओपन और अमेरिकी ओपन जीतने के बाद से सबालेंका एक ही वर्ष में दोनों हार्ड-कोर्ट ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाली पहली महिला बनने से एक जीत दूर हैं। सबालेंका ने इस साल की शुरुआत में अपना लगातार दूसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था। अब फ़ाइनल में सबालेंका का सामना अमेरिका की जेसिका पेगुला और चेक गणराज्य की गैर वरीयता खिलाड़ी कैरोलिना मुचोवा के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

शेयर बाजार में भारी गिरावट, सेंसेक्स 1017 ,निफ्टी 292 अंक नीचे आया

निवेशकों के साढ़े 4 लाख करोड़ रुपये डूबे

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी गिरावट रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1017.23 अंकों की गिरावट के साथ ही 81,183.93 अंकों पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 भी 292.95 अंक नीचे आकर 24,852.15 अंकों पर बंद हुआ। इसइ दौरान बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.46 लाख करोड़ रुपये घटकर 461.22 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। इस प्रकार निवेशकों को साढ़े 4 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

इस प्रकार की गिरावट से निवेशकों में घबराहट का माहौल है। माना जा रहा है कि बाजार में ये गिरावट अमेरिकी नौकरियों के आंकड़ों के जारी होने से पहले ही निवेशकों के सतर्क रुख से आई हैं। इन आंकड़ों से अब फेडरल रिजर्व की नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की भी संभावना है। ऐसे में बाजार में गिरावट बढ़ सकती है।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 26 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए जबकि सिर्फ 4 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। इसी तरह, निफ्टी 50 की कुल 50 कंपनियों में से 42 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए और केवल 8 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.40 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 2.09 फीसदी , एनटीपीसी के शेयर 2.08 फीसदी , एचसीएल टेक के शेयर 1.95 फीसदी , रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1.92 फीसदी टाटा मोटर्स के शेयर 1.87 फीसदी , आईटीसी के शेयर 1.86 फीसदी गिरावट पर बंद बंद हुए

सेंसेक्स की सिर्फ 4 कंपनियों के शेयरों में रही बढ़त

सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एशियन पेंट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.13 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। बजाज फाइनेंस के शेयर 1.03 फीसदी, जेएसडब्लू के शेयर 0.79 फीसदी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 0.08 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।

जानकारों के अनुसार पिछले दो सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार बढ़ोतरी के कारण भी निवेशकों ने आज जमकर मुनाफावसूली की बाजार में गिरावट का एक कारया वैश्विक मंदी के बढ़ते प्रभाव को भी माना जा रहा है। अमेरिकी शेयर बाजारों में भी सभी तीन प्रमुख सूचकांकों में गिरावट देखी गई, जहां एसएंडपी 500 में 0.3फीसदी, डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल औसत में 0.54फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट में 0.25फीसदी की गिरावट रही। वहीं एशियाई बाजारों में भी निक्केई और कोस्पी में गिरावट आई जिससे भी भारतीय बाजार विपरीत प्रभाव पड़ा।

इसके अलावा विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भी घरेलू बाजार पर दबाव आया विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 688 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,970 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें स्थिर रहने से भी निवेशक संशय में आ गये।

वैश्विक बाजारों में दक्षिण कोरिया का सियोल, जापान का टोक्यो, चीन का शंघाई और हांगकांग के शेयर गिरावट में कारोबार कर रहे थे जबकि अमेरिकी बाजार गत दिवस गिरावट पर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच बाजार मामूली गिरावट के साथ खुले। दरअसल अमेरिका के नौकरी और पेरोल आंकड़े जारी होने से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। निफ्टी-50 इंडेक्स 0.16 फीसदी गिरकर 25,103.25 अंक पर आ गया, जबकि एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.21 फीसदी गिरकर 82,029.97 पर कारोबार देखा गया।

स्वास्थ्य बीमा पर मिल सकती है टैक्स से राहत

- 18 फीसदी जीएसटी दर घटाकर 5 फीसदी करने सहित चार विकल्प सुझाए जा सकते हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की सोमवार को होने वाली बैठक में जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर टैक्स के मामले को लेकर कोई ?निर्णय लिया जा सकता है। इससे सरकारी खजाने पर 6.5 अरब रुपये से 35 अरब रुपये तक की चपत लग सकती है। परिषद द्वारा नामित केंद्र और राज्यों के राजस्व अधिकारियों वाली फिटमेंट समिति ने इस मामले का विस्तृत विश्लेषण किया है। वित्तीय सेवाओं के विभाग द्वारा इस पर कर की दरें घटाने के अनुरोध के बाद यह कदम उठाया गया है।

विभाग स्वास्थ्य बीमा पर कर की दर घटाकर इसे सुलभ और किफायती बनाना चाहता है। घटनाक्रम के जानकार अधिकारियों ने बताया कि फिटमेंट समिति इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट सौंप सकती है। इसमें सभी स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम और पुनर्बीमाकर्ताओं के लिए जीएसटी से पूरी छूट देने और स्वास्थ्य बीमा सेवाओं पर मौजूदा 18 फीसदी की जीएसटी दर को घटाकर 5 फीसदी करने सहित चार विकल्प सुझाए जा सकते हैं। अन्य दो विकल्पों में वरिष्ठ नागरिकों के प्रीमियम और 5 लाख रुपये तक के बीमा कवर वाले प्रीमियम पर जीएसटी से छूट देना या केवल उन प्रीमियम पर छूट देना शामिल हैं जिनका भुगतान वरिष्ठ नागरिकों द्वारा पहले ही किया जा चुका है। इन चारों विकल्पों से सरकारी खजाने पर क्रमशः 3,495 करोड़ रुपये, 1,730 करोड़ रुपये, 2,110 करोड़ रुपये और 645 करोड़ रुपये का बोझ पड़ सकता है।

समझा जाता है कि समिति ने इस मामले पर निर्णय लेने का काम परिषद पर छोड़ा है। जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी से छूट के मामले में समिति ने केवल विशुद्ध टर्म व्यक्तिगत जीवन पॉलिसियों और पुनर्बीमाकर्ताओं को छूट देने की सिफारिश की है। इससे सरकार को राजस्व का 213 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। हालांकि समिति ने यह सुझाव भी दिया है जीवन बीमा में कर पर मिलने वाली किसी भी तरह की छूट का लाभ बीमा कंपनियों द्वारा पॉलिसीधारकों को देना चाहिए। समिति ने कहा कि भारत में स्वास्थ्य बीमा का कुल प्रीमियम करीब 90,032 करोड़ रुपये है। इनमें से व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा खंड की हिस्सेदारी 35,300 करोड़ रुपये है। 18 फीसदी की मौजूदा दर से व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम से कुल 6,354 करोड़ रुपये की जीएसटी वसूली गई थी।

सोना बढ़कर72 हजार, चांदी 85 हजार के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। शुक्रवार को सोने के वायदा भाव 71,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 85,000 रुपये के पार कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 44 रुपये की तेजी के साथ 71,961 रुपये के भाव पर खुलकर 53 रुपये की तेजी के साथ 71,970 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 130 रुपये की तेजी के साथ 85,056 रुपये पर खुलकर 45 रुपये की तेजी के साथ 85,01 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,547.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,543.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,547.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.15 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.09 डॉलर था। इस समय यह 0.03 डॉलर की तेजी के साथ 29.12 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

भारत के सर्विस सेक्टर की ग्रोथ 5 महीने के उच्च स्तर पर

मुंबई (ईएमएस)। देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि अगस्त में जुलाई की तुलना में बढ़ गई है। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई है। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 से बढ़कर अगस्त में 60.9 हो गया। यह मार्च के बाद सबसे तेज विस्तार है। इसे काफी हद तक उत्पादकता लाभ और सकारात्मक मांग के रुझान से समर्थन मिला। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा ?कि भारत के लिए समग्र पीएमआई में अगस्त में मजबूत वृद्धि रही जो सेवा क्षेत्र में त्वरित व्यावसायिक गतिविधि से प्रेरित है। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज विस्तार हुआ। यह वृद्धि मुख्य रूप से नए ठेकों खासकर घरेलू ठेकों में वृद्धि से प्रेरित रही। कच्चे माल की लागत में छह महीने में सबसे कम वृद्धि हुई, विनिर्माण तथा सेवा दोनों क्षेत्रों में भी यही रुख देखने को मिला। इससे अगस्त में आउटपुट मूल्य मुद्रास्फीति में कमी आई। सर्वेक्षण में कहा गया ?कि भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में शुल्क मुद्रास्फीति की समग्र दर मध्यम रही। जुलाई में देखी गई वृद्धि की तुलना में भी यह वृद्धि धीमी रही। वहीं रोजगार का स्तर मजबूत बना रहा, हालांकि जुलाई की तुलना में नियुक्ति की गति मामूली धीमी रही।

देश में 17.1 करोड़ हुई डीमैट खातों की संख्या

- अगस्त में खुले 40 लाख से ज्यादा नए अकाउंट

नई दिल्ली (ईएमएस)। शेयर बाजार की तरफ लोगों का रुझान बढ़ने से देश में डीमैट खातों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है। अगस्त में देश में 40 लाख से ज्यादा नए डीमैट अकाउंट खुले हैं, जिसके कारण कुल डीमैट खातों की संख्या 17 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एएसडीएल) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) में 31 अगस्त तक कुल डीमैट खातों की संख्या 17.1 करोड़ थी। 2024 की शुरुआत से अब तक हर महीने करीब 40 लाख नए डीमैट अकाउंट खुल रहे हैं। चालू वर्ष के शुरुआती आठ महीनों में करीब 3.2 करोड़ डीमैट अकाउंट खुल चुके हैं। बड़ी संख्या में डीमैट अकाउंट खुलने की वजह इस ?वित्तीय वर्ष में नए आईपीओ का आना भी है। करीब 50 से अधिक कंपनियां 2024 की शुरुआत से 31 अगस्त तक आईपीओ के जरिए 53,419 करोड़ रुपये जुटा चुकी हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से की गई स्टडी में कहा गया था कि बड़ी संख्या में निवेशक केवल आईपीओ में हिस्सा लेने के लिए डीमैट खाते खोल रहे हैं। स्टडी में बताया गया था कि अप्रैल 2021 से लेकर दिसंबर 2023 तक आईपीओ के आवेदन के लिए उपयोग किए गए डीमैट में से करीब आधे महामारी के बाद खोले गए हैं। 2024 में शेयर बाजार ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। इस साल की शुरुआत से लेकर अब तक निफ्टी करीब 15 प्रतिशत और बीते एक साल में 27 प्रतिशत का रिटर्न दे चुका है।

देश में निवेश की संभावना तलाशने भारत आ रहे अमेरिकी पेंशन फंड अधिकारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में ?निवेश की संभावना तलाशने के ?लिए अमेरिका के सार्वजनिक पेंशन फंडों के उच्च स्तरीय अधिकारियों का एक दल अगले हफ्ते भारत आ रहा है। ये अधिकारी अमेरिका के विभिन्न प्रांतों से हैं और कुल मिलाकर अमेरिका और वैश्विक बाजारों में निवेश की गई 1.8 लाख करोड़ डॉलर की परिसंपत्ति (एयूएम) का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) मिशन, भारत के वित्त मंत्रालय और राष्ट्रीय निवेश और बुनियादी ढांचा कोष कर रहे हैं। रोडशो को वित्तीय भविष्य का निर्माण नाम दिया गया है जिसका आयोजन 9 से 13 सितंबर तक किया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों का दल दिल्ली, बेंगलूरु और मुंबई का दौरा करेगा जहां वह प्रौद्योगिकी, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञों से मुलाकात करेगा। दिल्ली में सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी उसकी बैठक होगी। अमेरिका में करीब 200 सार्वजनिक पेंशन फंड हैं। अगले हफ्ते भारत आने वाले प्रतिनिधिमंडल में 5 पेंशन फंडों के 5 अधिकारी शामिल होंगे। अमेरिका के महावाणिज्य दूतावास के प्रमुख माइक हैंकी ने कहा ?कि यह पहला मौका है जब अमेरिकी मिशन इस तरह से फंडों का एक प्रतिनिधिमंडल किसी देश में भेज रहा है। भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी नियोजन और बुनियादी ढांचा, डीकार्बोनाइजेशन, बंदरगाह, विमानन, स्वास्थ्य देखभाल और फार्मा जैसे क्षेत्रों में अपार अवसरों का प्रतिनिधित्व करता है। हमारा लक्ष्य इन पेंशन फंड प्रतिनिधियों को भारत में अवसरों से अवगत कराना है। वैश्विक फर्में किसी एक देश पर निर्भरता घटाकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने का प्रयास कर रही हैं और अलग-अलग जगहों पर अपना विनिर्माण केंद्र स्थापित कर रही हैं।

बाइडेन के अय्याश बेटे हंटर ने जुर्म कबूला....16 दिसंबर को फैसला

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन ने फेडरल टैक्स को नहीं चुकाने के आरोपों में दोषी होना कबूल किया है। हंटर पर लॉस एंजिल्स फेडरल कोर्ट में आपराधिक आरोपों में मुकदमा चलाने की तैयारी थी। जिसमें ड्रग्स, सेक्स वर्कर और अय्याशी के सामानों पर बेतहाशा खर्च करते हुए 14 लाख डॉलर का टैक्स नहीं चुकाने का आरोप था। जज मार्क स्कार्सी ने हंटर को बताया कि उन्हें 17 साल तक जेल और 450,000 डॉलर तक के जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने 16 दिसंबर को सजा सुनाने की तारीख तय की। इसके पहले हंटर बाइडन ने टैक्स नहीं चुकाने के आरोपों में दोषी होना कबूल किया था, लेकिन गलत कामों को कबूल करने से बचने की पेशकश की थी, जिसे 'अल्फोर्ड दलील' कहा जाता है। अभियोजकों ने इस कदम का विरोध किया। ब्रेक के बाद हंटर बाइडन के वकील एबे लोवेल ने कहा कि वह दोषी होने का कबूल कर रहे है।

सुनवाई के बाद हंटर ने कहा कि उन्होंने अपने परिवार को उस मुकदमे से बचने के लिए दोषी होना कबूल किया, जिसमें उनके जीवन के उस दौर की गंदे जानकारी सामने आती, जब वे नशे की लत से पीड़ित थे। उन्होंने कहा कि 'मेरे कारण उन्हें इतने सालों में जो कुछ भी सहना पड़ा है, उसके लिए मैं उन्हें इससे बचा सकता हूं। हंटर बाइडेन ने कहा कि उन्होंने अपने करों का भुगतान कर दिया है। हंटर के वकील लोवेल ने कहा कि बाइडन अपनी सजा के खिलाफ अपील कर सकते हैं।

चीन में फिर तूफान की दशहत हैनान के शहरों को ठप्प कर दिया

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में फिर तूफान आने वाला है। इस साल के सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक चीन के हॉलिडे आइलैंड हैनान में टकराने वाला है। तूफान से बाहरी बैंड ने हांगकांग और दक्षिणी चीन के कुछ हिस्से की प्रभावित होने की संभावना है।

रिपोर्ट के अनुसार तूफान यागी अब तक का दुनिया का दूसरा सबसे शक्तिशाली उष्णकटिबंधीय चक्रवात, केवल अटलांटिक तूफान बेरिल से ही पीछे है जो श्रेणी 5 का था। वैज्ञानिकों ने पाया है कि मानव-जनित जलवायु संकट के कारण गर्म होते महासागर तूफानों को और अधिक तेजी से तीव्र कर रहे हैं। सिर्फ दो दिन पहले यागी एक उष्णकटिबंधीय तूफान था जिसकी अधिकतम हवाएं 90 किलोमीटर प्रति घंटे (60 मील प्रति घंटे) की थीं, लेकिन इसने दक्षिण चीन सागर के गर्म पानी पर तेजी से ताकत हासिल की।

रिपोर्ट के अनुसार हैनान मौसम सेवा का पूर्वानुमान है कि यह टाइफून हैनान के किंघई से पड़ोसी ग्वांगडोंग प्रांत के डियानबाई तक जमीन से टकराएगा। टाइफून यह पिछले 10 वर्षों में हैनान में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान हो सकता है। टाइफून, जिसकी अधिकतम हवाओं की गति 210 किमी प्रति घंटे है, शुक्रवार सुबह हांगकांग से लगभग 300 किमी दक्षिण-पश्चिम से होकर गुजरेगा। क्योंकि टाइफून यागी एक दशक में इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान बन सकता है। दक्षिणी चीन में हैनान के उत्तरी सिरे के पास इसके पहुंचने की उम्मीद है, उसके बाद यह गुआंगडोंग प्रांत से होते हुए अंतर्देशीय क्षेत्र में पहुंचेगा, जिससे भारी बारिश और तटीय बाढ़ आएगी। आने वाले सुपर टाइफून ने हैनान के शहरों को ठप्प कर दिया है, स्कूल, व्यवसाय, रेस्टोरेंट और समुद्र तट बंद हो गए हैं और सार्वजनिक परिवहन, ट्रेनें और उड़ानें रोक दी गई हैं। हैनान के निवासियों ने द्वीप पर एक तीव्र तूफान की फुटेज साझा की, जिसमें बैंगनी रात के आसमान में बिजली चमक रही थी वीडियो में ऊंची लहरें तट पर टकराती हुई दिखाई दे रही हैं, जो ताड़ के पेड़ों की कतारों को तोड़ रही हैं।

जनाब.......मोहम्मद यूनुस कुछ तो इज्जत करो नोबेल पुरस्कार की

ढाका (ईएमएस)। मोहम्मद यूनुस आपका ये सब कहना ठीक नहीं लगता है। आप सिर्फ बांग्लादेश सरकार के प्रमुख ही नहीं हैं, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित एक विद्वान भी हैं। भारत में रहते हुए हमें ये नहीं दिख रहा कि भारत ऐसा कोई नैरेटिव खड़ा कर रहा हो कि आपका मुल्क अफगानिस्तान बनेगा। ये भारत की फितरत नहीं है। आपको याद दिला दें कि अफगानिस्तान में भारत ने पिछले कुछ सालों में 25 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की मदद वाले प्रोजेक्ट चलाए। ज्यादातर को पूरा कर अफगान हुकूमत को सौंप दिया। खैर बांग्लादेश को भारत कत्तई खराब हालत में नहीं देखना चाहता। हुकूमत का बदलना, किसी भी तरह से, उस देश का अंदरुनी मसला है। इसमें भारत की कोई दखल नहीं।

यकीन मानिए भारत इकलौता मुल्क है, जो दुनिया में कहीं भी ह्यूमैन राइट कुचले जाने पर जरुर आवाज उठाता है। लेकिन अपने पड़ोसी का इस मामले में लिहाज किया। बहरहाल, आपने जो कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं ने शेख हसीना का साथ दिया इस वजह से उन पर हमले हो रहे हैं, इससे ज्यादा तकलीफ हुई। शुरुआत में जब आपने कहा था कि बांग्लादेश में किसी हिंदू पर जुल्म नहीं होगा। तब आपके कौल की सिताइश की गई थी। लेकिन आपके दूसरी बात ने ही आपकी ही पहली बात को काट दिया। खुद आपने ही मान लिया कि अखलियत के हिंदुओं पर जुल्म किए गए। ये किसी भी हुक्मरान के लिए अच्छी बात नहीं है।

बात दें कि आन सांग सू को भी आपकी ही तरह नोबेल पुरस्कार मिला हुआ है। दिगर बात है कि दोनों को अलग अलग मसलों पर मिला। लेकिन सरकार बनाने के बाद उन्होंने रोहिंग्या मसले पर सेना की हिमायत की। सेना के अत्याचार पर पर्दा डाला था। इसके लिए दुनिया भर में सू की की फजीहत हुई। हर ओर से लोगों ने सू की को गलत ठहराया। बहरहल, कुछ ही वक्त में उसी सेना ने तख्ता पलट करके उन्हें नजरबंद कर दिया। ये नजीर है। रही बात शेख हसीना को भारत में रखने की तब इस मुल्क की संप्रभुता को कोई भी चैलेंज नहीं कर सकता। यहां की रिवायत रही है कि जो यहां आ जाए उसकी हिफाजत करनी ही होती है। खासतौर से सियासी मामलों में। वैसे सबको मालूम है कि शेख साहब (बंगबंधु शेख मुजीबुरहमान) को किस तरह मारा गया था। लिहाजा हिफाजत की खातिर आए किसी शख्स पर ये मुल्क न तो कोई शर्त लगाता है, न ही उसे कोई नसीहत देता है। बस जगह मुहैया करा देता है।

हॉस्टल में आग, 17 हॉस्टल बच्चों की मौत

न्येरी काउंटी(ईएमएस)। केन्या के एक प्राइमरी स्कूल के हॉस्टल में भीषण आग लग गई, जिसमें 17 स्टूडेंट्स की मौत हो गई और 14 छात्र घायल हो गए। ये हादसा केन्या के न्येरी काउंटी में के स्कूल के छात्रावास में हुआ। इस स्कूल का नाम हिलसाइड एंडराशा प्राइमरी स्कूल है। रिपोर्ट के मुताबिक अभी मरने वालों का आंकडा बढ़ सकता है। इस मामले की जांच करने वाले पुलिस प्रवक्ता रेसिला ओन्यांगो ने कहा कि आग कैसे लगी इस बात की जांच जारी है। आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

पूर्व ब्रेक्जिट वार्ताकार मिशेल बार्नियर फ्रांस के नए प्रधानमंत्री नियुक्त

पेरिस (ईएमएस)। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यूरोपीय संघ के पूर्व ब्रेक्जिट वार्ताकार मिशेल बार्नियर को फ्रांस का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया। मैक्रों ने 50 से ज्यादा दिनों से चल रही कार्यवाहक सरकार के बाद नए प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा की। मैक्रों और उनके सहयोगियों द्वारा कई हफ्तों तक किए गए गहन प्रयासों के बाद बार्नियर की नियुक्ति की गई है। मैकों ने उन्हें फ्रांस को एकीकृत करने और अनिर्णायक चुनाव के बाद पैदा हुए राजनीतिक गतिरोध को समाप्त करने का काम सौंपा है।

मैक्रोंकेकार्यालयनेबार्नियर की नियुक्ति की घोषणा कर बयान जारी कर कहा कि उन्हें देश और फ्रांसीसी लोगों की सेवा के लिए एक एकीकृत सरकार बनाने का काम सौंपा गया है। राष्ट्रपति ने अपने संवैधानिक कर्तव्य के तहत अप्रत्याशित विचार विमर्श के बाद सुनिश्चित किया है कि प्रधानमंत्री और भावी सरकार जहां तक संभव हो सके, स्थिर रहें।

बार्नियर फ्रांस के अल्पाइन क्षेत्र हाउते-सावोई से आते हैं और अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं। वे यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के अलग होने को लेकर चली बातचीत में मुख्य वार्ताकार थे। बार्नियर पहली बार 27 वर्ष की उम्र में सांसद बने थे, और बाद में उन्होंने विदेश मंत्री और कृषि मंत्री सहित कई फ्रांसीसी सरकारों में भूमिकाएं निभाईं, हालांकि वे 15 वर्षों से फ्रांस की राजानीति से दूर हैं। उन्होंने अपना अधिकांश समय ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के मुख्यालय में बिताया है।

73वर्षीय बार्नियर फ्रांस के आधुनिक राजनीतिकइतिहासमेंसबसेबुजुर्ग प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने गेब्रियल एटल का स्थान लिया है, जो सबसे युवा थे। एटल ने 16 जुलाई को चुनावों में त्रिशंकु संसद आने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था।

जापान में टायफोन मिसाइल लांचर तैनात कर रहा अमेरिका....लाल हुआ चीन

टोक्यो (ईएमएस)। अमेरिका ने चीन पर नकेल कसना शुरु कर दिया है। अमेरिका ने जापान से इच्छा जाहिर की है कि वह अपनी मध्यम दूरी तक मार करने वाली मिसाइल को सैन्य अभ्यास के लिए तैनात करना चाहता है। एक वरिष्ठ अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने कहा कि इन मिसाइलों की तैनाती से चीन के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका टायफोन मिसाइल लांचर को तैनात करना चाहता है, इसकी मदद से जमीन से परमाणु बम दागने वाली टॉमहाक क्रूज मिसाइल को दागा जा सकता है। टॉमहाक मिसाइल करीब 1600 किमी तक भीषण हमला करने में सक्षम है। अमेरिका इस मिसाइल का इस्तेमाल कई देशों में कर चुका है।

इंटरमीडिएट न्यूक्लियर फोर्स ट्रीटी के तहत जमीन से हमला करने वाली ऐसी मिसाइलें जिनकी रेंज 500 किमी से लेकर 5500 किमी तक है, उन्हें बैन किया गया है। अमेरिका साल 2019 में इस संधि से हट गया था। अमेरिका ने फिलीपींस के साथ सैन्य अभ्यास के दौरान भी टायफोन सिस्टम को तैनात किया था। अमेरिका के इस कदम से चीन बौखलाया और अमेरिका की इस कार्रवाई को उकसावे का कदम बताया था। यह मिसाइल सिस्टम कई महीने तक फिलीपींस में तैनात रहा। यह सिस्टम अप्रैल में फिलीपींस पहुंचा और मनीला सरकार का कहना है कि टायफोन को सितंबर में हटाया जाएगा। इसका मतलब है कि टायफोन सिस्टम अभी भी फिलीपींस में मौजूद है।

रिपोर्ट के मुताबिक फिलीपींस ने कहा कि चीन ने टायफोन सिस्टम की तैनाती पर बहुतनाटकीय चिंता जाहिर की है। चीनी रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता वू किआन ने कहा था कि अमेरिका के सिस्टम की तैनाती से पूरा इलाका तनाव में है और गंभीर खतरापैदा हो गया है। अमेरिकी सेना सचिव क्रिस्टिन वोरमुथ ने जापानी अधिकारियों से कहा कि अमेरिका टायफोन सिस्टम को अब जापान में तैनात करना चाहता है। उन्होंने कहा, हमने इसके बारे में जापानी सेना के साथ अपनी इच्छा जता दी है।

वोरमुथ ने कहा कि अमेरिका सिस्टम को कई महीने तक जापान में तैनात करना चाहता है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में सेना के पास विश्वसनीय युद्धक क्षमता रहे। इस मिसाइल को लेकर चीन में काफी प्रतिक्रिया है। उन्होंने कहा कि जापान के दक्षिण पश्चिमी द्वीपों के पास बड़ी तादाद में अमेरिकी सैनिकों और हथियारों को तैनात करने की क्षमता है, जो ताइवान के काफी करीब है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका चीन के पास प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर रहा है लेकिन इससे तनाव और बढ़ रहा है।

बैलन डी पुरस्कार के लिए चयनित 30 खिलाड़ियों में रोनाल्डो और मेसी शामिल नहीं

पेरिस (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में शीर्ष स्तर के प्रदर्शन के लिए दिये जोन वाले बैलन डी ओर पुरस्कार 2024 के लिए 30 उम्मीदवारों को नामांकित किया गया है। हैरानी की बात है कि इसमे पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के नाम शामिल नहीं हैं। मेसी ने अब तक सबसे अधिक आठ बार ये पुरस्कार जीता है।

मेसी को पिछले साल आठवीं बार ये पुरस्कार मिला था। वहीं रोनाल्डो को ये पुरस्कार पांच बार मिला है। साल 2008 से 2017 के बीच 10 साल तक ये पुरस्कार मेसी या रोनाल्डो को मिला है।

वहीं साल 2018 में ये पुरस्कार क्रोशियाई फुटबॉलर लुका मोड्रिक ने जीता था। फ्रांस फुटबॉल टीम ने साल 2024 के लिए जो नाम दिये हैं उसमें स्टार फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे, जूड बेलिंगहैम, विनीसियस जूनियर जैसे नाम शामिल हैं। वहीं पिछले सत्र में चैंपियंस लीग और ला लीगा जीतने वाले रियल मैड्रिड के सबसे अधिक खिलाड़ी इस सूची में शामिल थे। इस बार यूरो कप जीतने वाली स्पेनिश टीम के 6 खिलाड़ियों यमल, विलियम्स और ओल्मो के अलावा रॉड्री, एजेजांद्रो ग्रिमाल्डो और दानी कार्वाजल को अंतिम 30 में जगह मिली है।

भारत नैरेटिव से बाहर निकले और दोनों मुल्कों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए करे कामः यूनुस

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद वहां अल्पसंख्यकों पर हिंसा के मामले बढ़ गए हैं। इस बीच देश की नई अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने हिंसा की तुलना अफगानिस्तान से करने पर प्रतिक्रिया दी है।यूनुस ने उन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भारत को अपने इस नैरेटिव से बाहर निकलना पड़ेगा और दोनों मुल्कों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार की दिशा में काम करना होगा।

बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले सांप्रदायिक से ज्यादा राजनीतिक है। उन्होंने कहा कि ये हमले राजनीतिक हैं ना कि सांप्रदायिक। भारत व्यापक स्तर पर इन घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहा है। हमने ये नहीं कहा कि हम इस पर कुछ नहीं कर सकते। हमने कहा है कि हम पूरी कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से पूर्व पीएम शेख हसीना भारत में हैं। इस बीच शेख हसीना को लेकर मोहम्मद यूनुस ने कहा कि शेख हसीना भारत में बैठकर बांग्लादेश को लेकर राजनीतिक बयानबाजी कर रही हैं, जो सही नहीं है। उन्हें दोनों मुल्कों के बीच सौहार्द को बनाए रखने के लिए मुंह पर ताला लगाकर बैठना होगा। हम भारत सरकार से उनके प्रत्यर्पण का अनुरोध करेंगे।

मोहम्मद यूनुस ने ढाका में एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि बांग्लादेश, भारत के साथ मजबूत संबंधों को तरजीह देता है। भारत को भी उस नैरेटिव से ऊपर उठकर देखना होगा, जिसमें वह अवामी लीग को छोड़कर बांग्लादेश की अन्य पार्टियों को इस्लामिक पार्टियों के तौर पर देखता है। भारत सोचता है कि शेख हसीना के बिना बांग्लादेश एक तरह से अफगानिस्तान में तब्दील हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि हम भारत में शेख हसीना के रुख से सहज नहीं है. हम उनका जल्द से जल्द प्रत्यर्पण चाहते हैं ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके। अगर वह भारत में चुपचाप बैठती तो हम उन्हें भूल चुके होते। बांग्लादेश के लोग भी उन्हें भुला चुके होते लेकिन भारत में बैठकर वह लगातार बयान दे रही हैं। यह पसंद नहीं है।

महान ऑलराउंडर सोबर्स के लिए डेब्यू एकदिवसीय ही साबित हुआ अंतिम मैच

जमैका (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटरों में से एक सर गारफील्ड सोबर्स को विश्व का नंबर एक ऑलराउंडर माना जाता है। गैरी सोबर्स के नाम से लोकप्रिय रहे इस ऑलराउंडर के नाम टेस्ट में 8000 और 200 से ज्यादा टेस्ट विकेट हैं पर वह एक दिवसीय में एक रन भी नहीं बना पाये हैं। सोबर्स ने अपने एकदिवसीय करियर की शुरुआत सितंबर 1973 में की थी पर ये ही उनका अंतिम मैच भी साबित हुआ। सोबर्स ने अपने करियर में 93 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने इन मैचों में 57.78 की औसत से 8032 रन बनाए और 235 विकेट भी लिए। दुनिया में ऐसा एक भी क्रिकेटर नहीं, जिसने 200 से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए हों और 50 से अधिक की औसत से 8000 से ज्यादा रन बनाए हों पर हैरानी की बात है कि वह एकदिवसीय में खाता तक नहीं खोल पाये। सोबर्स उस डेब्यू मैच एक विकेट ही ले पाये। वेस्टइंडीज वह मैच एक विकेट से हार गया। वेस्टइंडीज ने लीड्स में खेले गए इस मुकाबले में 54 ओवर में 181 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड ने 54.3 ओवर में 9 विकेट पर 182 रन बनाये। सोबर्स इस मैच के बाद टेस्ट मैच तो खेलते रहे, लेकिन एकदिवसीय में दोबारा कभी मैदान पर नहीं उतरे। सोबर्स ने साल 1958 में पाकिस्तान के खिलाफ 365 रन की नाबाद पारी खेली थी। ये टेस्ट क्रिकेट में किसी बल्लेबाज का सबसे अधिक स्कोर था।

एकदिवसीय क्रिकेट में हैंस ओर एमिस के नाम है ये अहम रिकार्ड

मुम्बई (ईएमएस)। एकदिवसीय क्रिकेट में अब तक दो बल्लेबाज ही टेस्ट और एकदिवसीय में समान रुप से प्रभावी रहे हैं। इसके अलावा ये दोनो अपने डेब्यू और अंतिम एकदिवसीय में शतक लगाने में सफल रहे हैं। ये बल्लेबाज हैं इंग्लैंड के डेनिस एमिस और वेस्टइंडीज के डेसमंड हेंस। दोनों ने ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक से अपने एकदिवीय करियर शुरु किया। ये दोनो ही सलामी बल्लेबाज रहे हैं।

साल 1966 से 1977 तक चले करियर में एमिस ने 50 टेस्ट और 18 एकदिवसीय खेलते हुए दोनों ही प्रारुपों में 40 से अधिक के औसत से रन बटोरे। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 46.30 के औसत से 3612 रन बनाए जबकि 18 एकदिवयीय में 47.72 के औसत से 859 रन बनाये। टेस्ट में उनके नाम 11 शतक जबकि एकदिवसीय में 4 शतक शामिल हैं।

वहीं दूसरी ओर हैंस ने 1978 से 1994 के बीच इंडीज टीम की ओर से 116 टेस्ट और 238 एकदिवसीय खेले। . उन्होंने टेस्ट में 18 शतकों के साथ 7487 रन जबकि एकदिवसीय में 41.37 के औसत से 8648 रन बनाए। उनके नाम टेस्ट में 18 शतक जबकि एकदिवसीय में 17 शतक शामिल रहे हैं। वहीं हैंस के दौर में वेस्टइंडीज सबसे शक्तिशाली टीम थी पर उनके करियर के समाप्त होने के समय टीम शीर्ष स्थान से फिसल गयी थी। एकदिवसीय में सर्वाधिक रन और सर्वाधिक शतक बनाने का रिकॉर्ड एक समय हैंस के ही नाम था पर भारत के मोहम्मद अजहरुद्दीन ने रनों और सचिन तेंदुलकर ने उनके शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

साल 2025 को लेकर बाबा वेंगा की कौन सी भविष्यवाणी जिससे दुनिया में दहशत

बुल्गेरिया (ईएमएस)। बुल्गेरिया की अंधी भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की 1996 में अपनी मौत से पहले की गई भविष्यवाणी लोगों को आज भी डरा रही है। वेंगा ने अपनी भविष्यवाणी में अगले साल यानी 2025 में दुनिया में तबाही की शुरुआत की बात कही है। वेंगा ने कहा था कि दुनिया का सर्वनाश होना 2025 में शुरू हो जाएगा। हालांकि पूरी तरह से मानवता का अंत 5079 में होगा लेकिन इसकी शुरुआत 2024 में होगी। बाबा वांगा ने यूरोप में 2025 में एक संघर्ष से बर्बाद की शुरुआत होने के संकेत दिए हैं।

बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि 2025 में ऐसी भीषण घटनाएं होंगी, जो मानवता की अंत की वजह बनेंगी। वेंगा की भविष्यणावी 2025 में यूरोप में एक भयावह संघर्ष की बात कहती है, जिससे भारी तबाही मचेगी और इस महाद्वीप की बड़ी आबादी बुरी तरह से इससे प्रभावित होगी। वेंगा ने इसके बाद 2033 में जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणाम की भविष्यवाणी की है। ध्रुवीय बर्फ के पिघलने से दुनिया भर में समुद्र के स्तर में भारी वृद्धि होगी, जिससे जिंदगी मुश्किल होगी।

वेंगा ने 2076 तक साम्यवाद के वैश्विक प्रसार और 2130 में अलौकिक प्राणियों के साथ मानव संपर्क की भविष्यवाणी की है। 2170 में उन्होंने वैश्विक सूखे की भविष्यवाणी की है, जिससे पृथ्वी पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव बढ़ेगा। वेंगा ने साल 3005 में पृथ्वी और मंगल के बीच युद्ध का संकेत दिया है। वेंगा का कहना है कि 3797 तक पृथ्वी पर जीवन करीब असंभव होगा। ये इंसानों को धरती की बजाय कहीं और शरण लेने के लिए मजबूर करेगा। आखिरकार 5079 में धरती से हर चीज खत्म हो जाएगी यानी जीवन पूरी तरह से खत्म होगा।

वेंगा की भविष्यवाणी से दुनिया इसलिए डरी हुई हैं क्योंकि उनके कुछ दावे ठीक साबित हुए, जो उन्होंने मौत से पहले किए थे। इसमें राजकुमारी डायना की मौत और 9/11 के हमला अहम है, जिनका इशारा उन्होंने किया था। बाबा वंगा ने 2024 में एआई के उभरने और दुनिया को जीतने की इसकी क्षमता की भविष्यवाणी की थी। उन्होंने साइबर सुरक्षा, रिकॉर्ड-तोड़ तापमान, जंगल की आग, सूखा, समुद्री जीवन के लिए खतरा और अन्य पर्यावरणीय मुद्दों की भी भविष्यवाणी की है। उनकी भविष्यवाणियों में कोई सच्चाई है या नहीं, यह देखा जाना बाकी है, लेकिन उनकी बातें भविष्य के रहस्यों पर विचार करने वालों का ध्यान जरूर खींचती हैं। बाबा वांगा का जन्म 1911 में हुआ था। जब वह 12 वर्ष की थीं तब एक तूफान के बाद उनकी आंखों की रोशनी चली गई थी। कहा जाता है कि इस घटना के बाद उसमें भविष्य की भविष्यवाणी करने की क्षमता विकसित हो गई।

सरकार ने शुरू किया आदि राशन कार्ड धारकों का 100 प्रतिशत ई-केवाईसी अभियानः घर बैठे ऐसे करें ई-केवाईसी

गांधीनगर, 6 सितंबर

केंद्र सरकार के खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने गुजरात सहितसभीराज्यों के लाभार्थी-आबादी राशन कार्डों को सही और एक ही व्यक्ति केआधार नंबरों से जोड़ने के लिएसमय सीमा केभीतर100 प्रतिशत ई-केवाईसी पूरा करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है. . खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने राशन कार्डधारी लाभुकों से इस अभियान में शामिल होकर ई-के० ाईसी कराने का अनुरोध किया है.

इसके अलावा, जैसा कि सूची मेंबताया गया है, राज्य में अब तक 26.19लाखराशनकार्डों के 78.54 लाख लाभार्थियों की ई-केवाईसी सत्यापन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी है। वहीं, बचे हुए राशन कार्ड लाभुकों की ई-केवाईसी प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने की योजना बनाई गई है.

राशन कार्ड धारक अब 'र्श्र्-ऊच्छ्' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से घर बैठे आसानी से ई-क्ष्य कर सकते हैं। इसके अलावा तीन-तरफा ई-केवाईसी तालुका स्तर-जोनल कार्यालय में मामलतदार-जोनल कार्यालय में वी.सी.ई. द्वारा 'आधार' आधारित बायो-मीट्रिक प्रमाणीकरणकेमाध्यमसे, 'पीडी एस+'मोबाइल का उपयोग करके'आधार'आधारित'फेस ऑथेंटिकेशन' के माध्यम से किया जाता है। ग्राम स्तर पर आवेदन कर सकते हैं

गौरतलब है कि, ई-केवाईसी के लिए राशन कार्ड धारक को राशन कार्ड नंबर, मोबाइल नंबर और आधार नंबर की जानकारी देने पर ही ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी हो जाती है।जबकि, विभिन्न व्यक्तिगत प्रमाणों-जेरोक्स प्रतियों या बैंक खाते के विवरण की प्रतियों की आवश्यकता नहीं है। साथ ही, राशन कार्ड लाभार्थी घर पर स्वयं ई-केवाईसी कर सकता है यायहप्रक्रिया सरकार द्वारा संचालित ई-ग्राम केंद्र, ममलतदार और जोनल कार्यालय से पूरी करनी होगी। इसके अलावा अपनीकोई भी निजी जानकारी किसी दूसरे व्यक्ति को न दें।

वडोदरा के दिवालीपुरा कोर्ट का चपरासी पंक्चर स्कूटी लेकर फरार

वड़ोदरा,6 सितंबर

वडोदरा के डांडिया बाजार इलाके से गुजरते समय दिवालीपुरा कोर्ट में कार्यरत एक चपरासी की स्कूटी पंक्चर हो गई. एक आदमी लाओ काका अपनी स्कूटी खींचो और पंचर बनवाओ तुम धीरे-धीरे आना। इसके बाद वह शख्स कोर्ट के चपरासी की स्कूटी लेकर फरार हो गया. इसलिए उन्होंने रावपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है.

वडोदरा के वाघोडिया रोड पर श्रीनाथ पार्क कॉम्प्लेक्स में रहने वाले आशीष किरीटभाई शाह ने शिकायत दर्ज कराई है कि मैं दिवालीपुरा कोर्ट में चपरासी के पद पर कार्यरत हूं। मैंने कुछ ही सेकंड में एक स्कूटी खरीद ली. मैं अपने काम से सीटी आया था और डांडियाबाजार गणपति मंदिर के सामने से गुजर रहा था। तभी मेरी स्कूटी का टायर पंक्चर हो गया. इसलिए मैं अपनी स्कूटी को घसीटते हुए पास के रिक्शा स्टैंड के पास ले जा रहा था. तभी एक अंजान इसाम मेरे पास आया और मुझसे बोला अंकल स्कूटी का क्या हुआ, मैंने बताया कि मेरी स्कूटी का टायर पंक्चर हो गया है, अंजान इसाम आप मुझे अपनी स्कूटी दे दो, जहां पंक्चर होगा वहां पंक्चर लगा दूंगा और आप धीरे-धीरे आगे आ जाओ. इतना कहकर मैंने अपनी स्कूटी इस अनजान व्यक्ति को दे दी और उसने मेरी स्कूटी आगे बढ़ा दी और कुछ मिनट बाद मैं आगे जाकर देखा तो यह अज्ञात व्यक्ति कहीं नजर नहीं आया। तो अज्ञात एसाम ने मुझे विश्वास में लेकर मेरी स्कूटी ले ली और धोखा देकर मेरी स्कूटी ले गया। उसकी स्कूटी की तलाश करने के बावजूद आज तक स्कूटी नहीं मिली है. रावपुरा पुलिस ने चपरासी की शिकायत के आधार पर स्कूटी चोर की तलाश शुरू कर दी है।

इंडिया बुल्स कंपनी में निवेश के नाम पर 20 लोगों से 1.46 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

वडोदरा, 6 सितंबर

वडोदरा के सुभानपुरा एलोरा पार्क इलाके में रहने वाले एक सॉफ्टवेयर मैनेजर, उसके परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और दोस्तों सहित 20 से अधिक लोगों ने अच्छे रिटर्न की उम्मीद में क्रेडिटबुल्स इंडिया कंपनी में 1.46 करोड़ रुपये का निवेश किया। लेकिन कंपनी ने भरोसा कायम करने के लिए शुरुआत में नियमित तौर पर डेढ़ से दो फीसदी मुआवजा दिया. इसके बाद तीन लोगों द्वारा निवेश किए गए रुपये वापस न करने के साथ ही मुआवजा भी बंद कर धोखाधड़ी की गई। इसलिए गोरवा थाने में शिकायत दर्ज करायी गयी है.

वडोदरा शहर के सुभानपुरा एलोरा पार्क क्षेत्र में श्रीवीला सोसायटी निवासी जनक नरोत्तमभाई मकवाना ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि मैं सॉफ्टवेयर मैनेजर के पद पर कार्यरत हूं। मैं शेयर बाजार और अन्य संस्थानों में पैसा निवेश करना चाहता हूं इसलिए वर्ष 2021 में निवेश और मासिक रिटर्न के लिए उददुत पर खोज करते समय मेरी नजर क्रेडिट बुल्स इंडिया की वेबसाइट पर पड़ी। जिस पर मैंने क्लिक किया, भारत कंपनी के निदेशक धवल सोवानी और उनके साथी फरजाना इरफान अहमद शेख और प्रकाश प्रवीणभाई वडगामा (रेह-जामनगर) क्षेत्रीय प्रमुख के रूप में काम कर रहे थे। मुझे इसके तीन प्लान गोल्ड, सिल्वर, प्लैटिनम के बारे में ऑनलाइन जानकारी मिली, जिससे मुझे कंपनी निवेश के लिए अच्छी लगी। जब मैंने एक साल की अवधि के लिए निवेश देखा, तो मुझे एक ऐसी कंपनी पर भरोसा हुआ जो 1 लाख रुपये के निवेश पर 1.5झ मासिक रिटर्न दे रही थी और सबसे पहले मैंने रुपये का निवेश किया और अधिक आत्मविश्वास प्राप्त किया और 32.50 लाख रुपये का निवेश किया मेरे, मेरी पत्नी और माँ के नाम। जिस पर उन्होंने 2 प्रतिशत मुआवजा देने को कहा. लेकिन इस क्रेडिट बुल्स इंडिया डॉट कॉम कंपनी ने फरवरी 2024 से हमें मासिक मुआवजा देना बंद कर दिया है। तो उन्होंने अपनी ई-मेल आईडी और फोन नंबर पर कॉल करके हमें बताया कि इस क्रेडिट बुल्स इंडिया डॉट कॉम कंपनी से सेबी की पूछताछ शुरू हो गई है, जिससे हम आपको फरवरी-2024 का मुआवजा नहीं दे सकते।

इसके बाद यश सोलानी और पंकज ने जामनगर स्थित क्रेडिट बुल्स इंडिया.कॉम कंपनी के ऑफिस में जाकर जांच की और कहा कि हम 32.50 लाख का निवेश दो हफ्ते के अंदर वापस कर देंगे. लेकिन आज तक मुआवजा या हमारा दिया गया पैसा वापस नहीं किया गया है. इसके अलावा मेरे रिश्तेदार और दोस्त ने भी इस क्रेडिट बुल्स इंडिया डॉट कॉम कंपनी में अलग-अलग शर्तों पर 1.14 करोड़ रुपये का निवेश किया, लेकिन उन्हें भी हमारे साथ-साथ क्रेडिट बुल्स इंडिया कंपनी धवल सोलानी फरजाना शेख और पंकज वडगामा के नाम पर मुआवजा और पैसा वापस नहीं मिला। 1.46 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई है.

विश्वामित्री नदी में दबाव के मामले में सुप्रीम कोर्ट का आदेश पी गया वडोदरा नगर निगम!

वडोदरा ,6 सितंबर

वडोदरा में आई विनाशकारी बाढ़ कोई प्राकृतिक घटना नहीं है। यह वड़ोदरा में अधिकारियों द्वारा पिछले 30 वर्षों में केवल रु. इस मामले में हम एक दशक से भी ज्यादा समय से आंदोलन चला रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट से लेकर एनजीटी तक विश्वामित्री मामले में चरणबद्ध तरीके से आदेश दे चुके हैं, लेकिन उन आदेशों को भी वडोदरा के अधिकारियों और अधिकारियों ने कमजोर कर दिया है. नगर निगम, 'पर्यावरणविद् रोहित प्रजापति ने कहा।

दिसंबर 2017 से मई 2023 तक 6 वर्षों के दौरान, हमने वडोदरा नगर आयुक्त को 24 बार पत्र लिखकर विश्वामित्री नदी मामले में सुप्रीम कोर्ट, एनजीटी, जीपीसीबी और राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण द्वारा दिए गए सख्त और स्पष्ट आदेशों का पालन करने की याद दिलाई। . 6 वर्षों में 24 बार याद दिलाने के बावजूद, वडोदरा नगर निगम ने उनमें से एक भी आदेश का पालन नहीं किया और एक बार फिर बाढ़ ने वडोदरा को तबाह कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का खुलेआम उल्लंघन होने के बावजूद राज्य सरकार भी वडोदरा नगर निगम के अधिकारियों और पदाधिकारियों के खिलाफ चुप है, इसलिए हम भी निराश हो गए और पेश करना बंद कर दिया। लेकिन वडोदरा एक बार फिर बाढ़ का शिकार हो गया है, इसलिए हमने फिर से वडोदरा नगर आयुक्त से लेकर उच्च स्तर तक पत्र लिखा है और सबूत पेश किया है कि सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी ने किस तारीख को किस तरह का आदेश दिया था.' रोहित प्रजापति शामिल हुए।

'जिस क्षेत्र से होकर नदी बहती है वह केवल नदी का हिस्सा नहीं है। घाटियाँ, तालाब और वह सारा क्षेत्र जहाँ तक बाढ़ आने पर नदी फैलती है, नदी का हिस्सा माना जाता है। यह बात एनजीटी द्वारा दिए गए आदेश में स्पष्ट रूप से कही गई है,'' रोहित प्रजापति कहते हैं, ''वडोदरा के शासकों ने नदी और बीहड़ों के बीच, बीहड़ों और नदी के बीच का संबंध तोड़ दिया है.

वर्षा आधारित और नदी आधारित दोनों अलग-अलग हैं। इस प्रकार वर्षा जल सैलाब और बाढ़ भी अलग-अलग होते हैं। वड़ोदरा भी बारिश के पानी से रिचार्ज हो जाता है और बाढ़ का पानी भी कम हो जाता है। इसका मतलब है कि नदी घाटियों के साथ-साथ वर्षा घाटियों का अस्तित्व भी समाप्त हो गया है। अब सरकार का कहना है कि वडोदरा में विश्वामित्री नदी की बाढ़ को रोकने के लिए 1200 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट बनाया जाएगा. हमारा मानना है कि ठेकेदारों और लालची नेताओं का सिंडिकेट इस 1200 करोड़ का भी फायदा उठाएगा. शहर में नदी बाढ़ को रोकने के लिए वाटरशेड (नदी जलग्रहण क्षेत्र), फ्लड प्लिंथ (बाढ़ आने पर क्षेत्र में कितना पानी भरता है) और समोच्च मानचित्र (नदी, झीलों, खड्डों और बाढ़ क्षेत्र का समग्र सर्वेक्षण) का अध्ययन किया जाना चाहिए। विशेषज्ञों से कराया जाए और उसके बाद ही प्रोजेक्ट को क्रियान्वित किया जाए अन्यथा करोड़ों रुपए का नुकसान भी होगा। नदी को उसका स्थान वापस दे दो, नदी परेशान नहीं करेगी।

रोहित प्रजापति का कहना है कि विश्वामित्री नदी ही नहीं बल्कि नदी से सटे बीहड़ों में भी दबाव है. कुछ स्थानों पर, ठोस निर्माण अपशिष्टों को खड्डों और नदियों में बहाकर पानी के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित किया गया है। ऐसा नहीं है कि केवल बिल्डरों, ठेकेदारों और राजनेताओं ने ही नदियों, खड्डों और झीलों पर दबाव डाला है। इस कृत्य में सरकार भी शामिल है. बुलेट ट्रेन परियोजना ने विश्वामित्री नदी में छह स्थानों पर अस्थायी या स्थायी रूप से दबाव डाला है। अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे ने भी नदी और घाटी को अवरुद्ध कर दिया है। नवनिर्मित दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे एक चेक डैम की तरह काम कर रहा है। ऐसा नहीं है कि ये सब देखने के लिए कोई बड़ा प्रोजेक्ट करना होगा. सैटेलाइट इमेज से ही पता चल सकेगा कि कहां कितना दबाव है.

नालालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल का कठोर कारवास

खेडा (ईएमएस) नडियाद सेशन कोर्ट ने 13 साल की नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 साल के कठोर कारावास के साथ ही 32 हजार रुपए का जुर्माने का आदेश दिया हैं दुष्कर्म और छेड़छाड़ के मामलों के पीड़ितों को अब त्वरित न्याय मिलने लगा हैं राज्य गृह विभाग, सरकार और पुलिस की इच्छाशक्ति से यह संभव हो रहा हैं ताजा घटना खेड़ा जिले के कपड़वंज तहसील की है, जिसमें कोर्ट ने आरोपी को जुर्माना के साथ ही कड़ी सजा सुनाई हैं जानकारी के मुताबिक खेड़ा जिले के कपडवंज में रहने वाले आरोपी संजय राठौड़ ने 13 साल की नाबालिग के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए थे और उसके बाद उसे बदनाम करने की धमकी देकर उसके साथ बार-बार बलात्कार किर्या दुष्कर्म की शिकार नाबालिग लड़की गर्भवती हो गईं जिसके बाद पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपी संजय के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवा दीं पुलिस ने भी तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दीं नडियाद सेशन कोर्ट ने तमाम गवाहों और दस्तावेजी सबूतों के आधार पर आरोपी संजय राठौड़ को दोषी करार देते हुए 20 साल कैद की सजा सुनाई हैं साथ ही रु. 32 हजार का जुर्माना भी लगाया हैं गौरतलब है कि राज्य में महिला सुरक्षा को लेकर सरकार ने सख्त रुख अपना लिया हैं हाल ही में गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने भी रेप और रंगदारी के आरोपियों को कड़ी सजा देने और पीड़ितों को जल्द न्याय दिलाने का आश्वासन दिया था, जो जमीन पर दिखने लगा हैं

भूखी कंस का सर्वे कर बनाई जाए कार्य योजनाः मिनी नदी में डायवर्जन किया जाए

वड़ोदरा,6 सितंबर

वड़ोदरा में हाल ही में आई विनाश कारी बाढ़ के संबंध में वार्ड नंबर 2 के पार्षद और जल आपूर्ति विभाग के अध्यक्ष महावीर सिंह राजपुरोहित ने कल नगर पालिका की सामान्य बैठक में प्रस्ताव रखा कि पानी मंजूसर सिसवा से सीधे हमारे क्षेत्र में प्रवेश करता है। छानी। इसलिए मेरी मांग है कि भूखे लोगों के लिए उचित सर्वेक्षण कियाजाए,कार्ययोजना बनाई जाए और उचित कार्य किया जाए। यदि सिसवा से आने वाले पानी को शहर में प्रवेश करने के बजाय सीधे मिनी नदीकेमाध्यम से महिसागर नदी में प्रवाहित कर दिया जाए तो हमारे क्षेत्र मेंवर्षाजल की समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है। हमारे वार्ड में दो-चारकाम कम हो जाएं तो चलेगा, लेकिन वर्षों से गंभीर समस्या बनी वर्षाजलकी स्थाई निकासी लानी होगी।

वार्ड नंबर 2 के पार्षद महावीर राजपुरोहित ने निगम की साधारण सभा में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि हमारे क्षेत्र में वर्ष 2005, 2014, 2019 और अंततः 2024 में भयानक बाढ़ आई है. अगर मैं हमारे क्षेत्र के लोगों की अपार पीड़ा को व्यक्त करूँ तो वार्ड नंबर 2 के अंतर्गत आने वाले सभी क्षेत्रों में पानी का स्तर समान था। हमारे क्षेत्र में जो पानी आता है वह शहर के उत्तरी भाग मंजुसार सिसवा से आता है। यहां पानी छानी से संतोक नगर, नटराज टॉकीज से कालाघोड़ा होते हुए चीची कास तक बहता है। लेकिन दूसरी ओर, जब वडोदरा से गुजरने वाली विश्वामित्री नदी के ऊपरी इलाकों में भारी वर्षा होती है, तो हमारे पास जल निकासी की गंभीर स्थिति होती है। जहां हुची कास छानी कापानी सामा में आता है, वहां दस-दस फीट के दो डायवर्ट लगाए गए हैंऔरउसके बाद नर्मदा नहर के पास एक मीटर का पाइप लगाया गया है, जिससे होकर यह सारा बारिश का पानी हमारे क्षेत्र में आता है।

एकता नगर के पास सात मीटर का बहाव है जो आगे चलकर संकीर्ण होने लगता है। निज़ामपुरा ट्रांसपोर्ट हब के पास पांच मीटर का एक्सप्रेसवे बनाया गया है,जो एचडीएफसी बैंक के पास मुड़ने पर साढ़े तीन मीटर का हो जाता है। उसके बाद कंस सूर्य महल केपास भी संकरा हो जाता है। इससे पानी का निस्तारण जल्दी नहीं हो पाता है। चैनल अधिकतम चार मीटर है लेकिन वास्तव में धारा संकीर्ण होने केकारण केवल 3 मीटर ही बह सकती है। इसलिए अधिकांश जल प्रवाह अक्सर रुक जाता है। इस कारण हमारे क्षेत्र में अभिलाषा से लेकर चाणक्यपुरी तक का मार्ग अक्सर मानसून के दौरान बंद हो जाता है। सामा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, भागीरथ सोसायटी,अंबिका सोसायटी, एकतानगर,शुभलक्ष्मी,सरस्वती, आकाशगंगाकेअलावानॉर्थजोन मामल तदार कार्यालय और सामा गांव में जल निकासी की गंभीर समस्या थी। मेरे क्षेत्र में जो समस्या उत्पन्न हुई, उसके लिए मैंने शिविर से चलकर हमारे पूरे क्षेत्र का दौरा किया। मैं आर्किटेक्ट्ससहितकई वरिष्ठ नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से मिला हूं और उसकेआधारपर मैंने पूरी बैठक में उनके सुझाव प्रस्तुत किए हैं।

माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षण सहायक की 25 सितंबर को होगी घोषणा

6सितंबर

गुजराती स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती को लेकर राज्य सरकार ने अहम फैसला लिया है। गुजरात राज्य माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती के लिए विज्ञापन दिया जाएगा। गैर-सरकारी अनुदान प्राप्त उच्च माध्यमिक शिक्षा सहायक के लिए विज्ञापन आगामी 25 सितंबर को घोषित किया जाएगा। साथ ही गैर सरकारी अनुदानित माध्यमिक शिक्षा सहायक के लिए विज्ञापन 10 अक्टूबर को निकाला जायेगा.

प्रिंसिपल, सीनियर टीचर और टीचिंग असिस्टेंट की भर्ती प्रक्रिया भी राज्य सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित की जाती है। जिसके तहत 1 अगस्त 2024 को प्रिंसिपल और लगभग 4000 पुराने शिक्षकों की भर्ती की घोषणा की गई थी। राज्य सरकार इस महीने गैर सरकारी अनुदान प्राप्त उच्च माध्यमिक सहायक और गैर सरकारी अनुदान प्राप्त माध्यमिक शिक्षा सहायक की घोषणा करेगी।

बता दें कि राज्य सरकार के शिक्षा विभाग की ओर से प्रिंसिपल, ओल्ड टीचर और टीचिंग असिस्टेंट की भर्ती प्रक्रिया निकाली गई है. जिसके अंतर्गत अंतिम आचार्य 01 अगस्त 2024 एवं अंतिम दिनांक। 01 सितंबर 2024 को लगभग 4000 वरिष्ठ शिक्षकों के लिए भर्ती अधिसूचना प्रकाशित की गई है। अब, गैर सरकारी अनुदान प्राप्त उच्च माध्यमिक शिक्षा सहायक और गैर सरकारी अनुदानित माध्यमिक शिक्षा सहायक का विज्ञापन जल्द ही प्रकाशित किया जाएगा।

राज्य सरकार ने पहले शिक्षकों की भर्ती की घोषणा की थी। जिसमें कहा गया था कि सरकार की ओर से के 4हजार पदों पर भर्ती के लिए 1 सितंबर को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा.लेकिन, अब तक कोई अधिसूचना जारी नहीं होने पर अभ्यर्थियों ने आंदोलन की घोषणा कर दी. कल शिक्षक दिवस के मौके पर ऊँऊ पास अभ्यर्थियों ने गांधीनगर मेंधरनादिया.जहांगांधीनगर सचिवालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों को हिरासत में लिया गया, वहीं अन्य अभ्यर्थी सीएच-3 और जी-3 सर्कल में पहुंच गए और धरना शुरू कर दिया। शिक्षकों की हड़ताल के कारण सड़क बंद होने से जाम की स्थिति उत्पन्न हो गयी.

क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद गोदाम पर छापा मारकर 200 किलो गांजा जफ्त किया

अहमदाबाद ,6 सितंबर

गुजरात में ड्रग्स सप्लाई करने वाले माफिया को लगता है किसी का डर नहीं है. अहमदाबाद में प्रवेश. इससे पहले समुद्र किनारे छिपकर ड्रग्स पहुंचाने की कोशिश की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लेकिन, इस बार यह बात सामने आई है कि ड्रग माफियाओं ने इसे समुद्र के रास्ते छुपाने की बजाय खुलेआम ट्रकों में भरकर ड्रग्स पहुंचाने की कोशिश की है. अहमदाबाद से करीब 1600 किलोमीटर दूर ओडिशा से ट्रकों के जरिए गांजा की तस्करी की कोशिश की गई. हालांकि, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने वटवा जीआईडीसी में इन गांजा-ड्रग्स की डिलीवरी से पहले ही सात आरोपियों को पकड़ लिया।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए जीआईडीसी फेज-घ्, वटवा में एक गोदाम पर छापा मारा और 42 लाख रुपये मूल्य के 200 किलोग्राम गांजे के साथ दो मुख्य आरोपियों सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया। गांजा की मात्रा ओडिशा के गंजम जिले से लाई जानी थी और अहमदाबाद से गुजरात के विभिन्न शहरों में आपूर्ति की जानी थी। 1100 किलो गांजा ओडिशा से लाया गया था.

भुज में नेपाली समुदाय के तीज कार्यक्रम में शराब के नशे में धुत लोगों ने उत्पात मचाया

भुज,6 सितंबर

केवड़ा त्रिज उत्सव की पूर्व संध्या पर, भुज के सर्किट हाउस के सामने टाउनहॉलमें नेपालियों और विदेशियों द्वारा आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच में कुछ लोगों के नशे में धुत होकर उल्टी करने की चौंकाने वाली घटना के बाद हड़कंप मच गया है. कार्यक्रम सामने आ गया है.

भुज ए डिवीजन पुलिसस्टेशन से मिलीजानकारी के मुताबिक, शाम को जब टाउन हॉल में नेपाली समुदाय का तीज कार्यक्रम चल रहा था, तभी कुछ शराबियों नेएक-दूसरेपर पानी की बोतलें फेंकी और चल रहे कार्यक्रम के बीच में गिर पड़े. भयभीत महिलाएं और बच्चे बाहर निकलने के लिए हड़बड़ी करते हुए टाउन हॉल में भाग गए।

मुख्यमंत्री ने दीं संवत्सरी की शुभकामनाएं

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जैन एवं अन्य समुदायों के नागरिक भाई-बहनों को शनिवार, 7 सितंबर को मनाए जाने वाले संवत्सरी पर्व के अवसर पर 'मिच्छामी दुक्कड़म' (जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा याचना करना) कहा है। भूपेन्द्र पटेल ने पर्युषण महापर्व को क्षमापना एवं उपकार स्मरण का पर्व करार देते हुए कहा कि यह पर्व मन, वचन और कर्म से जाने-अनजाने में हुई भूलों के लिए क्षमा याचना करने का पर्व है।

वड़ोदरा स्टेशन पर ब्लॉक के कारण अहमदाबाद मण्डल की कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी

वडोदरा (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के वडोदरा स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 4 पर इंजीनियरिंग कार्य हेतु 8 सितंबर 2024 से 18 सितंबर 2024 तक ब्लॉक लिया जा रहा है जिसके कारण अहमदाबाद मण्डल से चलने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित होगी। अहमदाबाद मण्डल के वरिष्ठ जन संपर्क अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रभावित ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः-

शॉर्ट टर्मिनेट (समाप्त) होने वाली ट्रेनें

1. 09 सितंबर से 18 सितंबर 2024 तक ट्रेन संख्या 09328 अहमदाबाद-वडोदरा मेमू बाजवा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन बाजवा-वडोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

2. 09 सितंबर से 18 सितंबर 2024 तक ट्रेन संख्या 09312 अहमदाबाद-वडोदरा मेमू बाजवा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन बाजवा-वडोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

3. 09 सितंबर से 18 सितंबर 2024 तक ट्रेन संख्या 09316 अहमदाबाद-वडोदरा मेमू बाजवा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन बाजवा-वडोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

4. 09 सितंबर से 18 सितंबर 2024 तक ट्रेन संख्या 19036 अहमदाबाद-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस बाजवा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन बाजवा-वडोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

शॉर्ट ओरिजिनेट (प्रारम्भ) होने वाली ट्रेनें

1. 09 सितंबर से 18 सितंबर 2024 तक ट्रेन संख्या 09273 वडोदरा-अहमदाबाद मेमू बाजवा स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा वडोदरा-बाजवा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

2. 09 सितंबर से 18 सितंबर 2024 तक ट्रेन संख्या 09327 वडोदरा-अहमदाबाद मेमू बाजवा स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा वडोदरा-बाजवा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

3. 09 सितंबर से 18 सितंबर 2024 तक ट्रेन संख्या 09311 वडोदरा-अहमदाबाद मेमू बाजवा स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा वडोदरा-बाजवा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

4. 09 सितंबर से 18 सितंबर 2024 तक ट्रेन संख्या 19035 वडोदरा-अहमदाबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस बाजवा स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा वडोदरा-बाजवा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

5. 09 सितंबर से 18 सितंबर 2024 तक ट्रेन संख्या 09495 वडोदरा-अहमदाबाद पैसेंजर वडोदरा के स्थान पर प्रतापनगर स्टेशन से ओरिजिनेट होगी।

6. 09 सितंबर से 18 सितंबर 2024 तक ट्रेन संख्या 22959 वडोदरा-जामनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस बाजवा स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा वडोदरा-बाजवा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपयौ .ह्रस्र्ष्.द्दश्र्1.द्बठ्ठ पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

3 साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में आरोपी के खिलाफ ने 470 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

वलसाड (ईएमएस) जिले के उमरगाम में गत 27 अगस्त को 3 साल की बच्ची से दुष्कर्म की घटना में वलसाड जिला पुलिस ने ऐतिहासिक कार्रवाई करते हुए महज 9 दिन में आरोपी गुलाम मुस्तफा के खिलाफ कोर्ट में 470 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दीं वलसाड जिला पुलिस ने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए हैं कि आरोपी गुलाम मुस्तफा को मौत की सजा दी जाए और मामला अदालत में दैनिक आधार पर चले। बता दें कि 27 अगस्त 2024 को उमरगाम के बाहरी इलाके में एक प्रवासी परिवार की तीन साल की बच्ची के साथ बलात्कार किया गया थां लिड़की के परिवार के एक परिचित और पड़ोसी, गुलाम मुस्तफा नामक विधर्मी ने लड़की के साथ बलात्कार किया और घटना के बाद फरार हो गया। वलसाड पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी गुलाम मुस्तफा को अपने मूल राज्य झारखंड भागने से पहले महज एक घंटे में महाराष्ट्र के पालघर के पास निकट ट्रेन में दबोच लिर्या घटना के अगले दिन उमरगाम में इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया और वे अपना गुस्सा निकालने के लिए सड़क पर उतर आर्ये वलसाड जिला पुलिस प्रमुख करणराज वाघेला ने जनता को मामले की युद्धस्तर पर जांच करने और आरोपियों के खिलाफ महज 15 दिन में कोर्ट में चार्ज शीट दाखिल करने का आश्वासन दिर्या हालांकि जांच के लिए बनाई गई वलसाड जिला पुलिस के आला अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की विशेष जांच टीम ने इस मामले की जांच महज 9 दिनों में पूरी कर ली है और आरोपी गुलाम मुस्तफा के खिलाफ 470 पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी हैं पुलिस ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि मामले की सुनवाई प्रतिदिन अदालत में की जाए और आरोपी गुलाम मुस्तफा को मौत की सजा जैसी अनुकरणीय सजा दी जाए।

साथ ही इस मामले में झ्ध्णएध् कोर्ट ने पीड़ित बच्ची के परिवार को सरकारी योजना के तहत 25झ रकम यानी ?2,65,000 पांच दिन के अंदर देने का आदेश दिर्या लोगों की मांग है कि इस तीन साल की बच्ची के साथ दरिंदगी करने वाले मासूम आरोपी गुलाम मुस्तफा को जल्द से जल्द मौत की सजा दी जार्ये

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

उप. मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण) पश्चिम रेलवे डीआरएम कार्यालय, एनेक्सी बिल्डिंग तीसरी मंजिल दो-बत्ती रतलाम (म.प्र.) 457001, निविदा सूचना संख्याः ईएल/सी/आरटीएम/2024/03/टी, दिनांकः 05.09.2024 आमंत्रित करता है। कार्य का नामः पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल की दाहोद-इंदौर नई लाइन परियोजना के संबंध में टीही पीथमपुर खंड के बीच सुरंग में वेंटिलेशन सिस्टम और रोशनी कार्य का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग।अनुमानितमूल्यः 8,04,04,756.00/-। बोली जमाः 5,52,000.00/-. ऑनलाइन बोली प्रारंभ तिथिः12.09.2024.निविदा समाप्ति तिथिः 26.09.2024 को 15:00 बजे। वेबसाइट विवरण और नोटिस बोर्डः काम के घंटों के दौरान व्यक्तिगत रूप से या ऊपर उल्लिखित कार्यालय के पते और टेलीफोन नंबर 07412233996 पर; संपर्क ई-मेलः dyceecrtm@gmail.com. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट पर जाएँ www. ireps.gov.in 0517

हमें लाइक करें facebook.com/westernRly

प्रधानमंत्री ने सूरत से 'जलसंचय जन भागीदारी योजना'का शुभारंभ कराया

गांधीनगर 06 सितंबर, 2024 : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्षा के पानी की एक-एक बूंद को भूगर्भ में संग्रहित कर भूमिगत जल स्तर उँचा लाने के उद्देश्य के साथ केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय तथा राज्य सरकार द्वारा आयोजित 'जल संचय जन भागीदारी योजना' का शुक्रवार को सूरत के इनडोर स्टेडियम से वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ कराते हुए कहा कि जल संरक्षण केवल नीतियों का विषय नहीं है, बल्कि सामाजिक निष्ठा का भी मुद्दा है। भावी पीढ़ियाँ हमारी ओर सन्मान की दृष्टि देखें, हमें आदर के साथ याद करें; इसके लिए भूगर्भ में अधिकतम् जल संचय होना आवश्यक है। जल संचय की योजनाएँ केवल जल स्त्रोतों की रक्षा ही नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी को समृद्ध जल विरासत देने का माध्यम भी बनेंगी। इसी कारण सरकार जल संरक्षण द्वारा जल सुरक्षा को नई शक्ति देने के लिए संकल्पबद्ध है।

सूरत में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल सहित मंत्रियों की विशेष उपस्थिति में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री ने वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि जन-जन तक पानी पहुँचाने के लिए वर्षों से गुजरात में सार्थक एवं परिणामोन्मुखी प्रयास हुए हैं। इस संदर्भ में उन्होंने नर्मदा बांध की पूर्णता, सौनी योजना, सुजलाम सुफलाम जल अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात इस प्रकार की अनेक परियोजनाओं के कारण जल संरक्षण व जल प्रबंधन क्षेत्र में देश के अन्य राज्यों के लिए प्रेरणादायी बना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जागृत जन मानस, जन भागीदारी एवं जन आंदोलन जल संचय अभियान की सबसे बड़ी शक्ति हैं और इसी कारण देश में जन भागीदारी से 60 हजार अमृत सरोवरों का निर्माण हुआ है। उन्होंने गुजरात में 2600 से अधिक अमृत सरोवरों के निर्माण के लिए राज्य की जनता की जल संचय कार्य में भागीदारी की प्रशंसा की। जल संचय जन भागीदारी योजना का मुख्य उद्देश्य गुजरात भर में 24800 जल संचय स्ट्रक्चर स्थापित करना है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह उद्देश्य सफल होगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि परंपरागत जल स्त्रोतों के नवीनीकरण के साथ-साथ नए जल स्त्रोतों का निर्माण हो।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जल संचय केवल एक पॉलिसी ही नहीं है, बल्कि एक पुण्य कार्य है; जिसमें उदारता के साथ उत्तरदायित्व भी शामिल है। प्रधानमंत्री ने जोड़ा कि भारत में लोक भागीदारी एवं जन आंदोलन द्वारा जल संरक्षण व प्रकृति संरक्षण के लिए एक अनूठा अभियान चल रहा है। केन्द्र सरकार ने टिकाऊ भविष्य के लिए जो 9 प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं, उनमें जल संरक्षण पहला प्रस्ताव है। संयोग से भूमिगत जल संग्रह तथा जल प्रबंधन का यह कार्य हमारे पास आया नहीं है, परंतु सरकार ने इस चुनौतीपूर्ण कार्य को जिम्मेदारी समझ कर 'कैच द रेन, अटल भूजल योजना, नमामि गंगे' जैसी योजनाओं व पहलों से जल संचय तथा जल प्रबंधन को व्यापक बनाया है, जिसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण, प्रकृति संरक्षण को भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक भाग बताते हुए आह्वान किया कि पेड़ भूमिगत जल स्तर को ऊँचा लाने में उपयोगी होने के कारण देशवासी 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में शामिल होकर हमारी जननी एवं प्रकृति माता के प्रति वात्सल्य प्रकट करें। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य सरकार ने भूमिगतजल का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए नागरिकों, स्थानीय निकायों-संस्थाओं, उद्योगों की सामूहिक शक्ति से भावी पीढ़ी को जल संरक्षण से समृद्ध जल विरासत देने का श्रेष्ठ प्रयास किया है। 'जल संचय जन भागीदारी योजना' पर्यावरण संरक्षण तथा जल प्रबंधन की ओर एक महत्वपूर्ण पहल है; जो गुजरात में जल आपूर्ति, जल प्रबंधन एवं जल संचय कार्यों से देश को दिशा दिखाएगी।

श्री पटेल ने गुजरात में 2475 अमृत सरोवरों के लक्ष्य के सापेक्ष 2649 अमृत सरोवरों का निर्माण होने का उल्लेख करते हुए जोड़ा कि वर्षा के पानी का सदुपयोग करने की प्रधानमंत्री की प्रेरणा से खेत तालाब, तटबंध, और कई अन्य परियोजनाओं के फलस्वरूप पिछले 7 वर्षों में राज्य की जल संग्रहण क्षमता में लाखों घनफीट की वृद्धि हुई है। पिछले 7 सालों से लगातार आयोजित हो रहे सुजलाम सुफलाम जल अभियान के फलस्वरूप राज्य की जल संग्रहण क्षमता में 1,19,144 लाख घनफीट की वृद्धि हुई है। उन्होंने आगे कहा कि भारत अब प्रधानमंत्री के फ्यूचरिस्टिक विजन के अनुरूप सेमीकंडक्टर हब बनने की ओर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गुजरात हमेशा समय से एक कदम आगे सोचता है। आज भारत समग्र विश्व की पाँचवीं इकोनॉमी बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात विकास का रोल मॉडल बना है। देश के 5 सेमीकंडक्टर प्लांट में से चार प्लांट गुजरात में तैयार हो रहे हैं, जिसके कारण गुजरात आगामी समय में सेमीकंडक्टर का हब बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि औद्योगिक एवं आर्थिक विकास के फलस्वरूप मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस तथा एग्रीकल्चर; तीनों क्षेत्रों में अग्रसर राज्य बना है। प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन तथा ग्लोबल वॉर्मिंग की चुनौतियों से निपटने के लिए मिशन लाइफ का संदेश भी दिया है। प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से ग्रीन कवर बढ़ा कर ग्रीन ग्रोथ साकार करने की दिशा दी है।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96